हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 259 बेमेतरा, शनिवार 16 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

पहला कॉलम

अंडमान और निकोबार में 16 मई को पहुंचेगा मानसून

नईदिल्ली। गर्मी से जूझ रहे लोगों को इस बार मानसून की बारिश थोड़ी जल्दी राहत दे सकती है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून 16 मई को दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ सकता है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगर 16 मई तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में बारिश शुरू होती है तो मानसून 25 से 30 मई तक केरलम में प्रवेश कर सकता है।विशेषज्ञों के मुताबिक, अंडमान और निकोबार मानसून पहुंचने पर अरब सागर शाखा और बंगाल की खाड़ी शाखा में बंटता है। ऐसे में अरब सागर शाखा अगर 30 मई तक केरलम में बारिश शुरू करता है तो यह कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर समय से पहले पहुंचेगा। हालांकि, दक्षिण के राज्यों में मानसून पूर्व बारिश शुरू हो गई है। इन इलाकों में 17 मई तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

ममता बनर्जी वकील की पोशाक में कलकत्ता हाई कोर्ट पहुंचीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी गुरुवार को वकील की सफेद-काली पोशाक में कलकत्ता हाई कोर्ट पहुंची हैं। ममता कोर्ट में विधानसभा चुनावों में टीएमसी की करारी हार के बाद शुरू हुए हिंसा के आरोपों से संबंधित एक मामले की सुनवाई पर बहस करेंगी। यह याचिका वरिष्ठ टीएमसी नेता और अधिवक्ता कल्याण बनर्जी के बेटे शिरशन्या बनर्जी ने दायर की है, जो राजनीतिक कार्यकर्ताओं और पार्टी कार्यालयों पर हमलों से संबंधित है। ममता के कोर्ट पहुंचने पर टीएमसी ने एक्स पर एक बयान जारी किया है। पार्टी ने लिखा कि ममता बनर्जी स्वयं हाई कोर्ट पहुंचीं, ताकि भाजपा द्वारा बंगाल में चुनाव के बाद फैलाई गई व्यापक हिंसा से जुड़े मामले में बहस कर सकें। पार्टी ने लिखा कि एक बार फिर, ममता ने साबित कर दिया है कि कौन सी बात उन्हें सचमुच सबसे अलग बनाती है।

संजय कपूर संपत्ति विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने ली चुटकी- इसके सामने महाभारत भी छोटी लगेगी

नईदिल्ली। दिग्गज कारोबारी और करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर के परिवार में चल रहा संपत्ति का झगड़ा अब देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गया है। 30,000 करोड़ रुपये की भारी-भरकम जायदाद को लेकर अपनों के बीच मचे इस घमासान को देखकर सुप्रीम कोर्ट भी हैरान है। मामले की गंभीरता और परिवार की आपसी कलह देखते हुए कोर्ट ने यहां तक कह दिया कि ये विवाद इतना बड़ा और पेचीदा है कि इसके सामने महाभारत भी छोटी लगने लगेगी। ये टिप्पणी जज जेबी पारदीवाला की पीठ ने की। अदालत संजय कपूर की 80 वर्षीय मां रानी कपूर की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

दुनिया में ईंधन की कीमतों में आग

जनता को झटका-पेट्रोल 3.14 और डीजल 3.11 रुपए महंगा..

नई दिल्ली/ एजेंसी

जिस बात का डर था, आखिरकार वही हुआ। देश की जनता को 15 मई की सुबह-सुबह तगड़ा झटका लगा है। देश में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। पेट्रो कंपनियों ने पेट्रोल 3.14 रुपए और डीजल 3.11 रुपए दाम बढ़ा दिए है। करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में अब पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति लीटर में मिलेगा। डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं। पेट्रोल और डीजल के नए दाम शुक्रवार (15 मई 2026) से लागू हो गए हैं। जहां दिल्ली में पेट्रोल 3 रुपये महंगा होकर 97.77 रुपये प्रति लीटर हो गया है, तो कोलकाता में ये 108.74 रुपये (3.29 रुपये महंगा) हो गया है। जबति मुंबई में 106.68 रुपये (3.14 रुपए महंगा) और चेन्नई में 103.67 रुपये (2.83 रुपए) प्रति लीटर की दर से बिक रहा है। डीजल की कीमतों की बात करें तो उसमें भी पेट्रोल की तरह दिल्ली में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में जिस डीजल के दाम पहले 87.67 रुपये प्रति लीटर थे, वह अब बढ़कर 90.67 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह कोलकाता में डीजल की कीमतें 3.11 रुपये बढ़कर 95.13 रुपये प्रति लीटर हो गई है। मुंबई में डीजल 3.11 रुपये प्रति लीटर बढ़कर अूब 93.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में डीजल 2.86 रुपये प्रति लीटर महंगा होकर 95.25 रुपये में मिल रहा है। मिडिल-ईस्ट जंग की शुरुआत के बाद से ये पहली बार है, जब भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा हुआ है। ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी की संभावना काफी समय पहले से बनी हुई थी। हालांकि 5 राज्यों के चुनाव के कारण बढ़ाया नहीं गया था। अब चुनाव खत्म होने के 10 दिन के अंदर ही भारी बढ़ोतरी की गई है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से फ्यूल बचाने की अपील की थी। उन्होंने वर्क फ्रॉम करने और निजी वाहनों के कम इस्तेमाल पर जोर दिया था। तभी से ऐसे संकेत मिल रहे थे कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। बता दें कि देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मार्च 2024 से स्थिर बनी हुई थीं। लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले सरकार ने कीमतों में ?2 प्रति लीटर की कटौती कर जनता को राहत दी थी। हालांकि ईरान युद्ध और स्ट्रेट ऑफहोर्मूज बंद होने से देश में तेल और गैस की सप्लाई लगभग ठप हो गया है।

3 का झटका आ चुका, बाकी वसूली किस्तों में....राहुल गांधी

खाड़ी युद्ध का हवाला देकर पेट्रो कंपनियों ने आज सुबह-सुबह पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3-3 रुपये की बढ़ोतरी की है। पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने पर कांग्रेस सासंद राहुल गांधी भयंकर गुस्से में है। पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा साधते हुए कहा कि 3 का झटका आ चुका है। बाकी वसूली किस्तों में की जाएगी। पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने पर लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मोदी सरकार पर तंज कसते हुए ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- गलती मोदी सरकार की, कीमत जनता चुकाएगी। ?3 का झटका आ चुका, बाकी वसूली किस्तों में की जाएगी। बता दें कि अमेरिका- ईरान युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफहोर्मूज बंद है। इससके कारण खाड़ी देशों से तेल और गैस का सप्लाई ठप है। तेल और गैस की सप्लाई ठप होने के कारण पूरा विश्व तेल और गैस की कमी से जूझ रहा है। क्रूड ऑयल और तेल की कीमतों में बेतहासा बढ़ोतरी का असर देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहा है। पेट्रो पंकनियों ने आज (15 मई) सुबह पेट्रोल की कीमत में 3.14 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 3.11 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। वहीं सीएनजी के दाम भी 2 रुपये प्रति किलो बढ़ा दिए गए हैं।

रीएग्जाम की नहीं देनी होगी फीस

अगले साल से कंप्यूटर बेस्ड होगी नीट परीक्षा- मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 के री-एग्जाम की नई तारीखों का ऐलान किया गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इसी दौरान कंप्यूटर बेस्ट नीट एग्जाम का भी ऐलान किया। अब 22 लाख छात्रों को फिर से परीक्षा देनी होगी। एनटीए अब 21 जून को नीट यूजी री-एग्जाम आयोजित कर रही है। इस विषय में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जानकारी दी कि 14 जून तक सभी छात्रों को एडमिट कार्ड मिल जाएंगे। नीट परीक्षा के दिन छात्रों के आवागमन का पूरा ख्याल रखा जाएगा। दोबारा परीक्षा की कोई फीस नहीं लेंगे। सभी छात्रों को एक हफ्ते पहले परीक्षा सेंटर चुनने का विकल्प दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा, परीक्षा से जुड़ी औपचारिकताओं, जैसे कि ओएमआर शीट पर शुरू और आखिर में हस्ताक्षर करने के बारे में एक और बात उठाई गई थी। इससे छात्रों को मिलने वाला मुख्य समय कम हो रहा था। परीक्षा का समय दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक होने को ध्यान में रखते हुए,एनटीए ने इसे 15 मिनट और बढ़ाने का फैसला किया है। अब सभी छात्रों को परीक्षा के दौरान 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक मामले को लेकर कहा कि इस बार पेपर लीक माफिया नहीं बचेंगे। 21 जून को होने वाली परीक्षा से पहले पेपर लीक माफिया को सजा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पेपर लीक पर जीरो टॉलेरेंस नीति अपनाई जा रही है। गलत कामों के प्रति हमारी जीरो टॉलरेंस नीति है और यह परीक्षा माफिया के खिलाफएक लंबी लड़ाई है।

अवमानना नोटिस थमाकर छोड़ा केस

शराब घोटाला केस से क्यों अलग हुई जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ?

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने दिल्ली शराब घोटाला मामले से खुद को अलग कर लिया है। गुरुवार को केस से हटने से पहले उन्होंने फैसला सुनाते हुए अरविंद केजरीवाल समेत आप के नेताओं को अवमानना का नोटिस थमाकर कार्रवाई शुरू की और शराब घोटाला केस से खुद को अलग किया। उनके इस फैसले के बाद अब किसी अन्य जज को इसकी जिम्मेदारी दी जाएगी। बता दें, कि सीबीआई ने शराब घोटाला मामले में आम आदमी पार्टी के नेताओं को आरोपी बताया है। हालांकि, राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले को खारिज कर दिया था। उनका कहना था कि अरविंद केजरीवाल और अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। लेकिन जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने खुद को इस केस से अलग क्यों किया, चलिए आपको बताते है। दरअसल, सीबीआई ने राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। इसी दौरान यह मामला जस्टिस स्वर्णकांता के सामने आया था। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने उनसे इस केस से हटने की अपील की थी, लेकिन जस्टिस स्वर्ण कांता ने इस अपील को अस्वीकार कर दिया था। अरविंद केजरीवाल ने जज के फैसले के बाद सुनवाई से ही बहिष्कार कर दिया था। उन्होंने वकील बेटों का जिक्र करते हुए उन पर पक्षपात का आरोप लगाया था।

केजरीवाल-सिसोदिया के खिलाफ नोटिस

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल के खिलाफअदालत की आपराधिक अवमानना का नोटिस जारी किया। कोर्ट ने टिप्पणी की कि इस मामले में कार्रवाई न करने से अराजकता फैल जाएगी। इसके अलावा, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक के खिलाफभी आपराधिक अवमानना के नोटिस जारी किए गए। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि आबकारी नीति मामले की सुनवाई अब से कोई अन्य न्यायाधीश करेंगे। हालांकि, न्यायाधीश ने यह भी स्पष्ट किया कि वह इस मामले से खुद को इसलिए अलग नहीं कर रही हैं।

कोच्चि से लक्षद्वीप के बीच भारत का पहला समुद्री विमान, अगाती हवाई अड्डे पर सफल ट्रायल

एर्नाकुलम। केरलम के कोच्चि से खूबसूरत द्वीप समूह लक्षद्वीप तक भारत के पहले समुद्री विमान (सीप्लेन) का चलना जल्द ही साकार होने वाला है। दोनों इलाकों में समुद्री विमान का ट्रॉयल सफल हो गया है। भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण ने गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि लक्षद्वीप भारत की पहली सीप्लेन कनेक्टिविटी का स्वागत करने के लिए तैयार है। प्राधिकरण ने कहा कि अगाती वॉटरड्रोम पर सीप्लेन का सफल ट्रायल लैंडिंग हुआ, जो एक बड़ा मील का पत्थर है।

बरसो रे मेघा बरसो!

रायपुर,महासमुंद समेत कई इलाकों में झमाझम बारिश,आंधी-बरिश का असर,पेड़ धराशाई.....

रायपुर। राजधानी रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में शुक्रवार सुबह से बादल गरजने के साथ बारिश हो रही है. टर्फ और साइक्लोनिक सर्क्युलेशन के कारण मौसम में बदलाव देखने को मिला है. रायपुर में काले बादल छा चुके हैं और मानसून जैसी बारिश हो रही है. इसके अलावा बलौदा बाजार, महासमुंद, धमतरी और रायगढ़ में तेज हवाओं और बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली है. रायपुर में सुबह से मौसम बिगड़ गया. लगभग 8 बजे के बाद आसमान में काले बादल छाए और बारिश का सिलसिला शुरू हुआ. बादल गरजने के साथ बारिश होने लगी. ठंडी हवा चलने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है. बलौदा बाजार में मौसम ने करवट ली. बीती देर रात आए आंधी तूफान में जिला मुख्यालय में कई जगह बड़े पेड़ बीच सड़क पर धराशाई हो गए. इससे आवागमन बाधित हो गया. आज सुबह दुकान दफ्तर पहुंचने वाले लोगों को परेशानी का

सामना करना पड़ा. वहीं नगरपालिका की एक टीम रास्ता क्लियर करने में लगी हुई है. वहीं बिजली व्यवस्था भी चरमरा गई है. महासमुंद जिले में देर रात से शुरू हुई आंधी-तूफान के बाद बिजली व्यवस्था चरमरा गई. वहीं सुबह से गरज-चमक के साथ पिथोरा में तेज बारिश हो रही है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है. बारिश के चलते गांवों की गलियां पानी-पानी हो गईं. इधर रायगढ़ में भी रायपुर के बाद बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है. सुबह से बादल छाए रहने के बाद गरज-चमक के साथ बारिश ने मौसम सुहाना कर दिया.

तमिलनाडु के विधायकों ने नई दिल्ली के इंदिरा भवन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की.

पकड़ा गया नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड!

एनटीए के एग्जाम प्रोसेस में शामिल था ये प्रोफेसर

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 के पेपर लीक मामले में सीबीआई को एक बहुत बड़ी और निर्णायक सफलता हाथ लगी है। सीबीआई ने इस पूरे घोटाले के मुख्य सरगना को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी पहचान पी.वी. कुलकर्णी के रूप में हुई है। सीबीआई की जांच में जो खुलासा हुआ है, उसने एनटीए की सुरक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गिरफ्तार आरोपी पी.वी. कुलकर्णी खुद एनटीएकी परीक्षा प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा था, जिसके कारण उसकी पहुंच सीधे गोपनीय प्रश्नपत्रों तक हो गई थी।

यूएई पर हमला मंजूर नहीं.....

पीएम मोदी बोले-भारत किसी भी वक्त मदद के लिए तैयार...

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मार्च-अप्रैल में संयुक्त अरब अमीरात पर ईरान द्वारा किए हमलों की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यूएई पर हुए हमलों की हम घोर निंदा करते हैं। यूएई को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, वह किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। पीएम मोदी अपने पांच देशों की यात्रा के पहले चरण में यूएई पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री मोदी आज से पांच देशों की विदेश यात्रा पर हैं। इस कड़ी में वो सबसे पहले संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद उन्हें एयरपोर्ट पर ही गार्ड ऑफऑनर भी दिया गया। इसके बाद पीएम मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की उपस्थिति में दोनों देशों ने एमओयू का आदान-प्रदान किया, जिसमें रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार भी शामिल है। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ प्रतिनिधिमंडल-स्तरीय वार्ता में पीएम मोदी ने कहा कि आज जिस प्रकार से आपकी वायुसेना के जहाजों ने एस्कॉर्ट किया, ये भारत के लोगों का सम्मान है। पिछले दिनों प्राकृतिक आपदा के कारण कुछ इलाकों में जो परेशानी आई, आपने उन पीड़ित परिवारों के प्रति भी संवेदना व्यक्त की, इसके लिए भी मैं

आपका बहुत-बहुत आभारी हूं। मध्य-पूर्व में मौजूदा हालातों पर पीएम मोदी ने कहा कि यूएई पर हुए हमलों की हम घोर निंदा करते हैं। यूएई को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, वह किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। इन कठिन परिस्थितियों में आपने जिस संयम और साहस का परिचय दिया है, ये बहुत ही सराहनीय है। राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने में आपके नेतृत्व में उठाए गए कदमों का हम अभिनंदन करते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में युद्ध की परिस्थिति का प्रभाव आज पूरे विश्व पर दिखाई दे रहा है। भारत ने मुद्दों को सुलझाने के लिए हमेशा बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। होर्मुज स्ट्रेट को मुक्त, खुला और सुरक्षित रखना हमारी बड़ी प्राथमिकता है। इस मामले में, अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करना अनिवार्य है। भारत हर स्थिति में यूएई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और भविष्य में भी खड़ा रहेगा। भारत जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने को तैयार है।

NEET पेपर लीक के खिलाफयुवा कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

दोषियों पर कार्रवाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले में युवा कांग्रेस ने NEET पेपर लीक मामले को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष पंकज शुक्ला के नेतृत्व में कचहरी चौक जांजगीर पर आयोजित इस आंदोलन में कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया।

प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस ने NEET परीक्षा में कथित धांधली को देश के लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया। संगठन ने निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और नैतिक जिम्मेदारी तय करने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इस्तीफे की मांग उठाई।जिलाध्यक्ष पंकज शुक्ला ने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने में पूरी तरह विफल रही है। ह्रश्वश्वज्ञ जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में पेपर लीक होना शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि युवा कांग्रेस छात्रों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी और दोषियों पर कार्रवाई होने तक आंदोलन तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच हल्की झड़प भी हुई। पुतला दहन के समय आग बुझाने के लिए फायर ड्राई केमिकल पाउडर के उपयोग से कुछ प्रदर्शनकारियों की आंखों में जलन की शिकायत सामने आई, जिन्हें मौके पर प्राथमिक उपचार दिया गया।

इस प्रदर्शन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश शर्मा,भगवान दास गढ़ेवाल, रमेश पैगवार,अजीत सिंह राणा,रफीक सिद्धिकी, रामबिलास राठौर,सुनील साधवानी, लोकेश राठौर, कमल कका,भुनेश्वर केशरवानी,लाला जायसवाल, गोपाल गुलशन सोनी,पवन साहू, भास्कर गढ़ेवाल, सानिया जांगड़े, अतीक कुरैशी, युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव गौरव सिंह, उपाध्यक्ष महेन्द्र कश्यप,भोलू मितेश यादव,प्रतीक सिंह,आकाश तिवारी,सौरभ सिंह,देवराज सिंह चंदेल,आकाश सिंह, संस्कार राठौर,शुभांकर सिंह,सूर्यकान्त यादव,अंशु रजक, प्रदीप हंशराज,पवन आर्य,नितेश केशरवानी,ओमप्रकाश साहू, जय सेवायक,भावेश पाल, सागर पटेल, लाला चौहान, डब्बू, राजू साहू,राकेश चंद्रा, नवीन खण्डेरकर,नागेश साहू,अखिलेश यादव,नरेंद्र सिंह जब्बल, दुस्यंत यादव, अविनाश राठौर, कुलदीप सिंह, दीपक श्रीवास,वैभव सिंह, प्रदीप खरसन, सन्नी साहू, सौमित्र सिंह, राकेश सिंह,बली कश्यप, सुरेश यादव, प्रीतम कौशिक, प्रशांत सिंह, राजू लसार, रामायण खरे,पवन देवांगन, राजेश कुमार सहित युवा कांग्रेस के पदाधिकारी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चांपा में सुशासन तिहार 2026 के तहत जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

सुशासन तिहार में योजनाएं ज़मीन पर उतरीं, हितग्राहियों को मिली रविदास चर्मशिल्प योजना के तहत पेटी-किट्स

चांपा/मूक पत्रिका

आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सीधे जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद चांपा द्वारा सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार 15 मई 2026 को नगर पालिका परिषद चांपा के इंडोर हाल में प्रातः 10 बजे से शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में नगरवासी अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर पहुंचे। विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहकर आमजनों की समस्याएं सुन रहे हैं और कई मामलों का तत्काल निराकरण भी किया जा रहा है। जिन मामलों में समय की आवश्यकता है, वहां संबंधित विभागों द्वारा शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया। जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव सहित पार्षदगण भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर आदिवासी विकास विभाग द्वारा रविदास चर्मशिल्प योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को पेटी एवं किट का वितरण किया गया। योजना का लाभ पाकर हितग्राहियों में खुशी देखने को मिली और उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। शिविर में दिनभर लोगों की भीड़ बनी रही। प्रशासन द्वारा प्रत्येक समस्या और मांग को गंभीरता से सुना जा रहा है तथा त्वरित और प्रभावी निराकरण के प्रयास लगातार जारी रहा।

वर्तमान में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं, अफवाहों पर ध्यान न दें : कलेक्टर

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:- उत्तर बस्तर कांकेर 15 मई 2026 पेट्रोल एवं डीजल के वैश्विक संकट के चलते जिले में ईंधन की कमी को लेकर भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस वजह से पेट्रोल एवं डीजल पंपों में अनावश्यक भीड़ देखी जा रही है तथा लोग जरूरत से अधिक ईंधन की खरीदी एवं संग्रहण कर रहे हैं। इसके मद्देनजर कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने जिले के आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रम से प्रभावित होकर पेट्रोल एवं डीजल की खरीदी अथवा भंडारण न करें। सामान्य रूप से केवल आवश्यकतानुसार ही वाहनों में ईंधन भरवाएं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में जिले में पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है तथा आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है। जिला खाद्य शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में प्रतिदिन औसतन पेट्रोल की खपत लगभग 150 ककिलोलीटर तथा डीजल की खपत लगभग 260 किलोलीटर है। वर्तमान में जिले में पेट्रोल का 3260 किलोलीटर तथा डीजल का 3250 किलोलीटर स्टॉक उपलब्ध है। साथ ही ऑयल कंपनियों के डिपो से नियमित रूप से पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति लगातार जारी है। इसलिए जिले में ईंधन की किसी प्रकार की कमी नहीं है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा पेट्रोल एवं डीजल पंपों की निगरानी की जा रही है। साथ ही यह चेतावनी भी दी गई है कि यदि कोई व्यक्ति अनावश्यक रूप से पेट्रोल या डीजल की खरीदी कर उसका संग्रहण अथवा कालाबाजारी करते पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

समाधान महाविद्यालय में आयोजित निःशुल्क समर कैंप में शामिल हुए डीआईजी रामकृष्ण साहू, छात्र-छात्राओं को सफलता के दिए मंत्र

अनुशासन और समर्पण ही सफलता की कुंजी- डीआईजी रामकृष्ण साहू

महत्वपूर्ण परीक्षा तकनीकों और रणनीतियों के बारे में दी जानकारी

लक्ष्य की ओर दृढ़ता से बढ़ने के लिए किया प्रोत्साहित

प्रश्नोत्तरी के माध्यम से छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं का किया समाधान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

समाधान महाविद्यालय परिसर में दिनांक 15, 16 एवं 17 मई 2026 तक आयोजित निःशुल्क समर कैंप में बीते शुक्रवार को मुख्य अतिथि के रूप में उप पुलिस महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू शामिल हुए। इस अवसर पर उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। लक्ष्य छत्तीसगढ़ समर कैंप÷2026÷ के दौरान उप पुलिस महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने छात्र-छात्राओं को करियर निर्माण एवं लक्ष्य प्राप्ति के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करते हुए प्रेरित किया। डीआईजी रामकृष्ण साहू ने छात्र-छात्राओं से पढ़ाई-लिखाई एवं करियर से संबंधित विषयों पर चर्चा की तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन और समर्पण ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के माध्यम से प्रत्येक लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को लगन एवं मेहनत के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित करते हुए महत्वपूर्ण परीक्षा तकनीकों एवं रणनीतियों की जानकारी दी, जिससे उन्हें अपनी तैयारी को और बेहतर बनाने में सहायता मिल सके। उनके प्रेरणादायक संबोधन से छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास का संचार हुआ तथा वे अपने लक्ष्य की ओर और अधिक दृढ़ता से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हुए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डीआईजी रामकृष्ण साहू ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत एवं अनुशासन को जीवन की दिनचर्या का हिस्सा बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि करियर की शुरुआत समय रहते करने से सफलता की राह आसान हो जाती है। विद्यार्थियों को उन्होंने अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए स्वयं की प्रतिभा पहचानने तथा समय का सदुपयोग करने की सीख दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर लोधी क्षत्रिय एम्प्लाइज्ड एंड इंटेलैक्चुअल्स एसोसिएशन (लक्ष्य छत्तीसगढ़) के संगठन पदाधिकारी गण में लक्ष्य प्रदेश अध्यक्ष चैनदास जंघेल, उपाध्यक्ष कमलेश कुमार वर्मा, दुर्जनराम जंघेल, जिला इकाई बेमेतरा के अध्यक्ष डॉ.अवधेश पटेल, सह शिक्षा प्रभारी श्रीमति सावित्री जंघेल, प्रचार सचिव नंदकुमार जंघेल, श्रीमति सविता वर्मा, एवं जिला पदाधिकारी गण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक संपन्न, नव नियुक्त पदाधिकारियों को सौंपे गए नियुक्ति पत्र

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष व पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक राजीव भवन, बेमेतरा में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को मजबूत करने एवं नव नियुक्त पदाधिकारियों को जिम्मेदारियों के निर्वहन हेतु प्रेरित किया गया। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पूर्व कृषि मंत्री रविंद्र चौबे की गरिमामयी उपस्थिति में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सहित जिले के नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र एवं परिचय पत्र प्रदान किए गए।अपने संबोधन में आशीष छाबड़ा ने कहा कि सभी पदाधिकारी संगठन के प्रति सक्रिय रहते हुए अनुशासन एवं समर्पण के साथ कार्य करें तथा कांग्रेस की विचारधारा एवं जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाएं। उन्होंने संगठन की मजबूती के लिए निरंतर जनसंपर्क एवं सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया।

पूर्व कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने पद की गरिमा बनाए रखते हुए निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की एकजुटता एवं सक्रियता से ही संभव है।पूर्व विधायक एवं संसदीय सचिव गुरुदयाल सिंह बंजारे ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा आम जनता की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर कार्य करने की बात कही।युवा कांग्रेस बेमेतरा अध्यक्ष प्रांजल तिवारी ने युवाओं से कांग्रेस की विचारधारा को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने एवं संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।इस अवसर पर रुद्र, वकिता साहू, मंगत साहू, सनत धरदीवान सहित जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी।

'कलम का योद्धा बना साहू समाज की आवाज़' : युवा पत्रकार ताम्रध्वज साहू को जिला साहू संघ बेमेतरा का जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त, समाज में हर्ष की लहर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला साहू संघ बेमेतरा द्वारा युवा पत्रकार, समाजसेवी एवं तेजतर्रार मीडिया कर्मी ताम्रध्वज साहू को जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति से पूरे साहू समाज में गर्व, उत्साह और खुशी का माहौल है। समाज के लोगों ने इसे संगठन को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक निर्णय बताया है।

ताम्रध्वज साहू लंबे समय से निष्पक्ष पत्रकारिता, सामाजिक जागरूकता, जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने एवं समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। उनकी निर्भीक कलम, सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण तथा संगठनात्मक सक्रियता को देखते हुए जिला साहू संघ बेमेतरा ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में जिला साहू संघ की गतिविधियाँ, समाज की आवाज़ और सामाजिक एकता की भावना और अधिक मजबूत होगी। साथ ही समाज की संस्कृति, परंपरा एवं सम्मान को नई पहचान मिलेगी।इस अवसर पर समाज के अनेक लोगों ने ताम्रध्वज साहू को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज के दौर में पत्रकारिता केवल खबर लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की आवाज़ को शासन-प्रशासन तक पहुँचाने का सबसे सशक्त माध्यम बन चुकी है, और ताम्रध्वज साहू इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभा रहे हैं। जिला साहू संघ बेमेतरा द्वारा दी गई इस नई जिम्मेदारी के लिए ताम्रध्वज साहू को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएँ।

÷जब कलम समाज के सम्मान के लिए चलती है, तब इतिहास खुद नई इबारत लिखता है।÷जय साहू समाज

राज्यपाल श्री रमेन डेका 17 मई को बेमेतरा दौरे पर, विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक लेंगे

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रदेश के राज्यपाल रमेन डेका 17 मई, रविवार को एक दिवसीय प्रवास पर बेमेतरा जिले के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल दोपहर में बेमेतरा पहुंचेंगे तथा यहां जिला के विकासखंडों की समीक्षा बैठक में शामिल होकर जिले में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल श्री डेका दोपहर 12:30 बजे बेमेतरा पहुंचेंगे। इसके पश्चात दोपहर 2 बजे कलेक्टर कार्यालय, बेमेतरा में आयोजित विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक में भाग लेंगे। बैठक में बेमेतरा, साजा एवं नवागढ़ विकासखंडों में संचालित योजनाओं, प्रशासनिक कार्यों तथा विकास गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की जाएगी। बैठक के उपरांत राज्यपाल शाम 4 बजे रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे तथा शाम 5 बजे लोक भवन, रायपुर पहुंचेंगे। राज्यपाल के दौरे को लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था एवं कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

15 ग्राम पंचायतों के क्लस्टर में आयोजित हुआ जनसमस्या निवारण शिविर, आवास योजनाओं सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की दी गई जानकारी

सुशासन तिहार 2026 : ठेलका में लगा समाधान शिविर, विधायक ईश्वर साहू ने हितग्राहियों को सौंपी खुशियों की चाबी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला बेमेतरा के जनपद पंचायत साजा अंतर्गत ग्राम पंचायत ठेलका में 'सुशासन तिहार 2026' के तहत जन समस्या निवारण शिविर एवं 'संवाद से पूर्ण समाधान' कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक श्री ईश्वर साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शिविर का उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना, ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान करना तथा प्रशासन और आमजन के बीच संवाद को मजबूत बनाना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया।

15 पंचायतों को जोड़कर बनाया गया क्लस्टर-प्रशासनिक सुगमता एवं अधिक से अधिक ग्रामीणों तक पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन क्लस्टर मॉडल के तहत किया गया। इस क्लस्टर में ग्राम पंचायत ठेलका सहित बेलतरा, बेलगांव, भेडरवानी, चिल्फी, सोमईकला, संबलपुर, सोमईखुर्द, बरगड़ा, धौराभाटा, भरदा, मुसुवाडीह, भनौरा, लालपुर एवं चीजगांव सहित कुल 15 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया। शिविर में जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की।

प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़ी खुशियां, हितग्राहियों को मिली प्रतीकात्मक चाबी-कार्यक्रम का सबसे भावुक और प्रेरणादायक क्षण तब देखने को मिला जब विधायक श्री ईश्वर साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अपने पक्के मकान का निर्माण पूर्ण कर चुके चयनित हितग्राहियों को ÷खुशियों की चाबी÷ के रूप में प्रतीकात्मक चाबी भेंट की। वर्षों से पक्के घर का सपना संजोए परिवारों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी।विधायक श्री साहू ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार गरीब परिवारों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और हर पात्र परिवार को आवास उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने हितग्राहियों को नए घर के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

आवास प्लस 2.0 सर्वे को लेकर दी महत्वपूर्ण जानकारी-शिविर में ग्रामीणों को 'आवास प्लस 2.0' सर्वे के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। विधायक श्री ईश्वर साहू ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिन पात्र परिवारों का सर्वे पूरा हो चुका है, उन्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। शासन द्वारा जल्द ही नई गाइडलाइन जारी कर सर्वेक्षित पात्र परिवारों को योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश के प्रत्येक पात्र एवं जरूरतमंद परिवार तक आवास योजना का लाभ पहुंचाना है ताकि कोई भी परिवार कच्चे मकान में रहने को मजबूर न रहे।

संवाद और समाधान पर दिया गया जोर-अपने संबोधन में विधायक श्री ईश्वर साहू ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ जनता की समस्याओं का सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाएं तभी सफल मानी जाएंगी जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि ÷संवाद से ही समाधान का रास्ता निकलता है और सरकार गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों की समस्याओं को सुनने एवं उनका निराकरण करने का कार्य कर रही है।÷

विभिन्न विभागों के आवेदनों पर हुई सुनवाई-शिविर में कृषि, राजस्व, पंचायत, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, खाद्य, सामाजिक कल्याण एवं अन्य विभागों से संबंधित आवेदनों पर चर्चा की गई। कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि अन्य आवेदनों को संबंधित विभागों को समय-सीमा में कार्रवाई हेतु सौंपा गया।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, सरपंचगण, सचिव, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन से ग्रामीणों में उत्साह एवं संतोष का वातावरण देखने को मिला।

कलेक्टर ने निर्बाध रूप से पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति और वितरण करने के दिए निर्देश

कलेक्टर पदमिनी भोई साहू ने पेट्रोल पंप संचालकों के साथ की बैठक

आम उपभोक्ता, किसान, ट्रांसपोर्टर को तय सीमा में पेट्रोल-डीजल देने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर पदमिनी भोई साहू ने पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति के संबंध में जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों के साथ की बैठक ली। उन्होंने अतिआवश्यक सेवाओं वाले सभी प्रकार के एम्बुलेंस, हॉस्पिटल डीजी सेट, फायर ब्रिगेड और शासकीय वाहन को पेट्रोल-डीजल देने के निर्देश दिए। साथ ही जिले के सभी अधिकारियों कर्मचारियों को शासकीय वाहन का मितव्ययिता के साथ उपयोग करने के निर्देश दिए। साथ ही किसान, आम उपभोक्ता, ट्रांसपोर्टर आदि के वाहनों के लिए तय सीमा में पेट्रोल-डीजल देने कलेक्टर ने पंप मालिकों को निर्देश दिए। जिला प्रशासन द्वारा सभी डीजल पम्प में आवश्यक निगरानी हेतु दैनिक विक्रय रिकॉर्ड एवं अन्य गतिविधि की जानकारी हेतु समस्त ओएमसी कंपनी/खाद्य विभाग को पम्पों द्वारा तत्काल सीसीटीवी का एक्सेस उपलब्ध कराया जाएगा। रिफ्यूलर टैंकर से आपूर्ति पूर्णता बंद रखेंगे। यह निर्देश पेट्रोल पम्प को दिए गए, ताकि पेट्रोल/डीजल की उपलब्धता बनी रहे। कलेक्टर ने पंप संचालकों को कहा कि अफवाहों पर ध्यान नहीं देते हुए रोजाना खपत के अनुसार पेट्रोल-डीजल का वितरण करें। पुराने चिन्हित सभी ग्राहकों के तय सीमा से अधिक का पेट्रोल-डीजल खरीदी की मांग करने पर उन्हें जिला प्रशासन द्वारा तय सीमा में ही पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराएं। साथ ही अवैध भंडारण और कालाबाजारी नहीं करने के लिए आम उपभोक्ताओं को समझाए। जिला प्रशासन द्वारा वाहनों के प्रकार एवं क्षमता अनुसार पेट्रोल-डीजल बिक्री के लिए मात्रा निर्धारित किया गया है, उसके अनुसार ट्रेलर को 100 लीटर, 18 चक्का वाहन को 80 लीटर, 12 से 16 चक्का वाहन को 60 लीटर, 06 चक्का वाहन को 40 लीटर, एसयूवी/कार को 20 लीटर और कृषि कार्य के लिये ट्रेक्टर, हार्वेस्टर को 50 लीटर उपलब्ध कराया जाएगा।

खुलेआम बिक रही अवैध शराब, पुलिस कार्रवाई पर सवाल,नशे के जाल में फंसते युवा

सरपंच ने थानेदार और तहसीलदार को लिखा पत्र, सख्त कार्रवाई की मांग

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के भंवरमाल गांव में अवैध शराब बिक्री ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खुलेआम महुआ दारू और देशी शराब की बिक्री से गांव का सामाजिक माहौल बिगड़ता जा रहा है, लेकिन शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्राम पंचायत भंवरमाल की सरपंच श्रीमती गायत्री चौहान ने थाना बहनीडीह के थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपते हुए बताया कि गांव में लंबे समय से एक व्यक्ति द्वारा अवैध शराब का कारोबार किया जा रहा है। ग्रामीणों द्वारा कई बार विरोध और सूचना देने के बाद भी शराब बिक्री बदस्तूर जारी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शराब बिक्री रोकने की बात करने पर संबंधित व्यक्ति गाली-गलौज और धमकी देता है। इससे गांव में विवाद, मारपीट और अशांति की घटनाएं बढ़ रही हैं। पुलिस की गाड़ी गांव तक पहुंचने के बावजूद कार्रवाई न होने पर ग्रामीणों ने भी सवाल उठाए हैं। सरपंच ने पत्र में कहा है कि सस्ती और आसानी से मिलने वाली शराब के कारण गांव के युवा और बच्चे नशे की चपेट में आ रहे हैं, जिससे उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है। वहीं महिलाओं में असुरक्षा का भय गहराता जा रहा है और पारिवारिक कलह की घटनाएं बढ़ रही हैं। ग्राम पंचायत ने प्रशासन से अवैध शराब कारोबार पर तत्काल रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर गांव में शांति और कानून व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

तेंदूपत्ता बोनस का मामलाः विधायक विक्रम मंडावी को पामेड़ क्षेत्र के संग्राहकों ने सौंपा ज्ञापन, 4 वर्षों का बोनस दिलाने की मांग

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के पामेड़ क्षेत्र के तेंदूपत्ता संग्राहकों ने बीते चार वर्षों से लंबित बोनस राशि दिलाने की मांग को लेकर बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी को विधायक निवास बीजापुर में एक ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति पामेड़ के प्रबंधक रामाराव व्ही. पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने विगत चार वर्षों से तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस राशि का भुगतान नहीं किया है। ज्ञापन में बताया गया कि समिति के अंतर्गत 23 फड़ संचालित हैं, जहां संग्राहक मेहनत से तेंदूपत्ता एकत्र करते हैं, लेकिन बोनस की राशि नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संग्राहकों ने आरोप लगाया कि जब वे बोनस राशि के बारे में पूछते हैं, तो पामेड़ के प्रबंधक रामाराव व्ही. उन्हें डरा-धमकाकर चुप करा देते हैं।ज्ञापन प्राप्त करने के बाद विधायक विक्रम मंडावी ने पूरे मामले पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ÷तेंदूपत्ता संग्राहकों का बोनस पाने का अधिकार है। गरीब आदिवासियों की मेहनत पर डाका डालने वालों को चिह्नित कर उन पर कार्रवाई हो। विधायक विक्रम मंडावी ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच हो और दोषी पाए जाने पर प्रबंधक रामाराव व्ही. के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए तथा संग्राहकों के चार वर्षों के लंबित बोनस का भुगतान तत्काल किया जाए। विधायक विक्रम मंडावी ने यह भी कहा है कि यदि मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो तेंदूपत्ता संग्राहकों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा।ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में पामेड़ क्षेत्र के ग्रामीण एवं तेंदूपत्ता संग्राहक उपस्थित थे।

शहर में घूम रहा था 'कुबेर' का खजाना लेकर, पुलिस ने दस्तावेज मांगे तो उड़े होश

21,30,000, आयकर विभाग को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:-कांकेर उत्तर बस्तर कांकेर पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने शहर के बीचों-बीच भारी मात्रा में नकदी लेकर घूम रहे रायपुर के एक संदिग्ध युवक को दबोचा है। युवक के पास मौजूद बैग की तलाशी लेने पर उसमें से 21 लाख 30 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं, जिसका कोई भी वैध दस्तावेज वह पेश नहीं कर सका।

मुखबिर की सटीक सूचना पर घेराबंदी-पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखिचा के निर्देशानुसार जिले में संदिग्धों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसी कड़ी में 13 मई को पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति भारी नकदी के साथ संदिग्ध अवस्था में शहर में घूम रहा है। खबर मिलते ही थाना प्रभारी प्रतीक दादासाहब बंसोडे के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

बैग खोलते ही फटी रह गई पुलिस की आंखें-पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर रोका। पूछताछ में उसने अपना नाम मोहम्मद मुस्ताक (36 वर्ष), निवासी संतोषी नगर रायपुर बताया। जब उसके पास मौजूद ग्रे-काले रंग के बैग की तलाशी ली गई, तो पुलिस के होश उड़ गए। बैग के अंदर सेः

500 रुपये के 42 बंडल (कुल 21,00,000) 100 रुपये के 03 बंडल (कुल 30,000) बरामद हुए। इतनी बड़ी रकम के बारे में जब वैध दस्तावेज मांगे गए, तो आरोपी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया।

आयकर विभाग को भेजी गई सूचना-रकम के किसी अपराध में उपयोग किए जाने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने धारा 106 बीएनएसएस के तहत नकदी को विधिवत जब्त कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध इस्तगासा तैयार कर न्यायालय में पेश किया है। साथ ही, इस बड़ी नकदी के स्रोत की जांच के लिए आयकर विभाग रायपुर को पत्र प्रेषित कर दिया गया है।

सनातन का अपमान करने पर शिव सैनिको ने फुंका उदयनिधी का पुतला

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेरः- शिवसेना कांकेर के शिवसैनिको द्वारा तमिलनाडू के पुर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के पुत्र उदयनिधि के द्वारा सनातन धर्म का अपमान करने के विरोध मे पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया 7 विदित हो की उदयनीधी स्टालिन ने तमिलनाडू विधानसभा मे कहा था सनातन धर्म को खत्म कर देना चाहिए 7 इस बयान के विरोध मे पुरे राज्य मे शिवसैनिको द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है 7 शिवसेना युवासेना प्रदेश महासचिव हर्ष शर्मा ने बताया उदयनीधी ने जो सनातन धर्म पर टिप्पणी की है वो बेहद आपत्तिजनक है उनके इस बयान से सनातन धर्म को मानने वाले करोड़ों हिन्दूओं की भावना को आहात करता है 7 हर्ष शर्मा ने कहा की ऐसा बयान वो पहले भी कई बार दे चुके है जो उनके देशविरोधी मानसिकता को जाहीर करता है 7 ऐसे लोग देश की एकता अखंडता को भंग करने बार बार ऐसे बयान देते रहते हैं जो की बर्दाश्त नही किया जायेगा 7 विरोध प्रदर्शन मे मुख्य रूप से शिवसेना के जिला महासचिव संतोष यादव, अभिषेक उके, समृद्ध शर्मा, सतिश यादव, सानिध्य शर्मा, अरूण मरकाम विक्की, निखील पांडेय, देवकुमार टेमरे, राकेश निषाद, संतोष मरकाम व अन्य शिवसैनिक उपस्थित थे ।

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की लगातार कार्रवाई, 5 हाईवा वाहन जब्त

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी है। राजस्व एवं माइनिंग विभाग की संयुक्त टीम द्वारा केवा, भादा एवं नवापारा घाट में अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों पर कार्यवाही की गई।संयुक्त जांच के दौरान अवैध रेत परिवहन करते पाए जाने पर 5 हाईवा वाहनों को जब्त किया गया। सभी जब्त वाहनों को पुलिस लाइन जांजगीर में सुपुर्द किया गया है।कार्रवाई के दौरान मौके पर शांति व्यवस्था भंग करने पर वाहन चालक जोहन कुमार एवं संतोष मिरी के विरुद्ध बीएनएसएस की धाराओं के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई। जिला प्रशासन ने किया है कि जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

17 घंटे बाद लौटी बिजली, हटवारा चौक के लोगों ने ली राहत की सांस

चांपा/मूक पत्रिका

नगर के हटवारा चौक स्थित शंभु दुकान के सामने ट्रांसफार्मर में लगी भीषण आग के बाद विद्युत विभाग ने आज सुबह 11 बजे से ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य शुरू किया। लगातार करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नया ट्रांसफार्मर लगाकर लाइन चालू की गई। दोपहर 4 बजकर 30 मिनट पर जैसे ही बिजली बहाल हुई, क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली।गौरतलब है कि गुरुवार की देर रात लगभग 11 बजे ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई थी, जिसके चलते पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी। इस तरह शुक्रवार दोपहर 4:30 बजे तक कुल मिलाकर लगभग 17 घंटे तक बिजली बंद रही, जिससे हटवारा चौक और आसपास के मोहल्लों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।विद्युत विभाग की टीम मौके पर डटी रही और लगातार 5 घंटे तक काम कर ट्रांसफार्मर बदलने के साथ क्षतिग्रस्त लाइन को दुरुस्त किया। आग की लपटें बेहद भयानक थीं, जिससे बिजली के तार जलकर राख हो गए और पूरी लाइन बंद करनी पड़ी। हालांकि इस हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जो राहत की बात रही। आज सुबह से मौसम में बदलाव और हल्की बारिश के साथ बदली छाए रहने के कारण गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली, अन्यथा लंबे समय तक बिजली बंद रहने से लोगों की परेशानी और बढ़ सकती थी। फिलहाल हटवारा चौक के आसपास के सभी मोहल्लों में विद्युत आपूर्ति सामान्य रूप से चालू कर दी गई है।

संतोष सोनी दूसरी बार लायंस क्लब चांपा के अध्यक्ष, वासुदेव देवांगन बने सचिव

चांपा/मूक पत्रिका

लायंस क्लब चांपा की वर्ष 2026-27 की नवीन कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से कर लिया गया है। क्लब के अध्यक्ष ख्र्र लायन संतोष कुमार सोनी (अधिवक्ता) को लगातार दूसरी बार अध्यक्ष चुना गया है, जबकि लायन वासुदेव चंद देवांगन को सचिव तथा लायन राजेश अग्रवाल (के.सी.) को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।नवीन कार्यकारिणी की नियुक्ति हेतु क्लब अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी द्वारा क्लब के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन डॉ. संतोष कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय नामांकन समिति का गठन किया गया था। समिति ने आपसी बैठक और गहन विचार-विमर्श के बाद अपना प्रतिवेदन क्लब की सामान्य सभा एवं संचालक मंडल की बैठक में प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित सभी लायन सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित करते हुए करतल ध्वनि के साथ पारित किया।वर्ष 2025ङ्क26 के दौरान अध्यक्ष के रूप में संतोष कुमार सोनी के सफल कार्यकाल को देखते हुए उन्हें पुनः अध्यक्ष बनाए जाने के निर्णय का सभी सदस्यों ने स्वागत किया। नवनियुक्त अध्यक्ष ने सदन को आश्वस्त किया कि आने वाले समय में लायन साथियों के सहयोग से लायंस क्लब चांपा इंटरनेशनल, मल्टीपल, डिस्ट्रिक्ट एवं रीजन स्तर पर सेवा की नई मिसाल कायम करेगा। उन्होंने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

उल्लेखनीय है कि लायंस क्लब चांपा पिछले 48 वर्षों से सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय है और स्थायी गतिविधि के रूप में लायंस इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल का संचालन कर शहर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है।

आंधी-बारिश के बीच गूंजे 'जय भक्त माता कर्मा' के जयकारे, हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने रचा इतिहास

तूफान भी नहीं डिगा सका साहू समाज की आस्थाः नारायणपुर में उमड़ा जनसैलाब, कर्मा महोत्सव बना संस्कृति, संगठन और शक्ति का ऐतिहासिक महासंग्राम

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत नारायणपुर में साहू समाज द्वारा आयोजित भक्त शिरोमणि माता कर्मा जयंती एवं भव्य कर्मा महोत्सव ने सामाजिक एकता, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक गौरव का ऐसा विराट दृश्य प्रस्तुत किया, जिसने पूरे क्षेत्र में नई मिसाल कायम कर दी। तेज आंधी-तूफान और खराब मौसम भी श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सका। हजारों लोगों की भारी भीड़ ने यह साबित कर दिया कि माता कर्मा के प्रति साहू समाज की श्रद्धा अटूट, अडिग और अविचल है। पूरा गांव भक्तिमय वातावरण, जयकारों और सांस्कृतिक उल्लास से गूंजता रहा। कार्यक्रम की शुरुआत कर्मा मंदिर में विधिवत कलश स्थापना, पूजा-अर्चना एवं मंगल पाठ के साथ हुई। इसके बाद देर रात तक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रामनगर भिलाई की प्रसिद्ध पुष्पा साहू कृत लोक कला मंच ÷नवा किसान÷ ने शानदार छत्तीसगढ़ी लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों की दमदार प्रस्तुतियों पर देर रात तक तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई देती रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नारद साहू, जिला अध्यक्ष जिला साहू संघ बेमेतरा ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में ÷जय भक्त माता कर्मा÷, ÷जय सत्यनारायण बाबा÷ और ÷जय मानस गंगा मैया÷ के जयकारों से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उन्होंने कहा कि प्रकृति ही भगवान का वास्तविक स्वरूप है तथा भूमि, गगन, वायु, अग्नि और नीर जैसे पंचतत्वों से ही जीवन और सृष्टि का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि आंधी-तूफान के बीच कार्यक्रम का सफल आयोजन माता कर्मा की विशेष कृपा और समाज की अटूट आस्था का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने साहू समाज के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज ने हमेशा मेहनत, त्याग, सेवा और संस्कार की परंपरा को आगे बढ़ाया है। उन्होंने भामाशाह के त्याग, भक्त माता कर्मा की भक्ति और सत्यनारायण बाबा की तपस्या को समाज की प्रेरणा बताते हुए कहा कि साहू समाज सदैव राष्ट्र

और समाजहित में अग्रणी भूमिका निभाता आया है। ÷साहू कामहू नहीं तो काला खाहू÷ कहावत समाज की मेहनतकश पहचान और कर्मशील परंपरा को दर्शाती है। नारद साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव तथा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साहू समाज से होना पूरे समाज के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने समाज को शिक्षा, संगठन और संस्कृति से जुड़कर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में गौतम साहू, अध्यक्ष तहसील साहू संघ नांदघाट, अखिलेश साहू, अध्यक्ष परिक्षेत्रीय साहू संघ टेमरी, बेनूराम साहू, महासचिव जिला साहू संघ बेमेतरा, रामकुमार साहू, कोषाध्यक्ष जिला साहू संघ बेमेतरा, भारत साहू, संयोजक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ जिला साहू संघ बेमेतरा, गोकुल साहू, संयोजक युवा प्रकोष्ठ जिला साहू संघ बेमेतरा, ताम्रध्वज साहू, मीडिया प्रभारी जिला साहू संघ बेमेतरा, शीलू साहू, संयोजिका महिला प्रकोष्ठ तहसील साहू संघ बेमेतरा, ममता साहू, सचिव महिला प्रकोष्ठ जिला साहू संघ बेमेतरा, अनिल साहू, सह सचिव तहसील साहू संघ बेमेतरा, डॉ. नरेंद्र साहू, संगठन सचिव तहसील साहू संघ नांदघाट, बिसाहूराम साहू, सरपंच ग्राम पंचायत नारायणपुर, नूतन साहू, उपाध्यक्ष जिला साहू संघ बेमेतरा, लक्ष्मीबाई साहू, संयोजिका महिला प्रकोष्ठ बेमेतरा, सनत साहू, उपाध्यक्ष तहसील साहू संघ नांदघाट, महेश्वर साहू, ग्रामीण अध्यक्ष टेमरी, खेमलाल साहू, ग्रामीण अध्यक्ष चिचोली, मनहरण साहू, कोषाध्यक्ष तहसील साहू संघ नांदघाट, श्याम सुंदर साहू, उपाध्यक्ष परिक्षेत्र टेमरी, साहेब दास, अध्यक्ष परिक्षेत्रीय साहू संघ संबलपुर सहित बड़ी संख्या में सामाजिक पदाधिकारी, महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन मनोज कुमार साहू ने किया। वहीं आयोजन समिति के पंकज साहू (अध्यक्ष), रामेश्वर साहू (सचिव), रामकुमार साहू (कोषाध्यक्ष), तखत साहू (महिला उपाध्यक्ष), कुमारी साहू (महामंत्री), सेवक साहू (सलाहकार), रामचरण साहू (सदस्य), रुक्मणी साहू एवं राजकुमारी साहू ने आयोजन को ऐतिहासिक और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।नारायणपुर में आयोजित यह कर्मा महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन बनकर नहीं रहा, बल्कि साहू समाज की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता, संगठन शक्ति और सामूहिक एकजुटता का विराट प्रतीक बनकर उभरा। आंधी-तूफान के बीच भी जिस तरह श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा, उसने यह साबित कर दिया कि साहू समाज अपनी संस्कृति और परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए पूरी मजबूती और संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

संपादकीय

पटना में विद्यार्थियों पर लाठी, सवालों पर खामोशी

आखिर क्या वजह है कि विद्यार्थियों के सामने शिक्षक भर्ती को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाने की नौबत आई है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी आंदोलन या प्रदर्शन को लेकर सरकार का यह रुख सामने आया है। बिहार के पटना में विद्यार्थियों के प्रदर्शन के दौरान राज्य की पुलिस का जैसा रवैया सामने आया है, उसे आम जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों के तहत किसी मसले पर सरकार से विचार की मांग के स्वर का दमन करने की तरह देखा जा सकता है।सवाल है कि अगर नागरिकों के सामने अपनी किसी मांग के लिए आंदोलन या प्रदर्शन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह जाता है, तो संवाद के जरिए उनकी समस्या का समाधान करने या कोई रास्ता निकालने की कोशिश की जाएगी या उन्हें चुप कराने के लिए सीधे लाठी-डंडे का सहारा लिया जाएगा?हैरानी की बात है कि शिक्षक भर्ती से संबंधित प्रक्रिया में लगातार देरी और टालमटोल से परेशान विद्यार्थियों ने जब पटना में विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश की, तो उनकी मांगों पर विचार करने के बजाय उन पर लाठी चार्ज किया गया और महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया।अगर उन्हें रोकना भी था, तो पानी की बौछार या कोई अन्य उपाय करने के बजाय बेहरमी से उन पर लाठियां चलाना ही अकेला उपाय क्यों माना गया?राज्य की पुलिस के इस रवैये को क्या किसी भी तरह से प्रदर्शनकारियों के प्रति एक लोकतांत्रिक शासन की प्रतिक्रिया कहा जा सकता है? अगर नागरिकों के किसी हिस्से को सरकार से अपने अधिकार या अन्य मांग करने से इस तरह रोका जाएगा, तो उसमें नागरिक अधिकारों की क्या जगह रह जाएगी?आखिर क्या वजह है कि विद्यार्थियों के सामने शिक्षक भर्ती को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाने की नौबत आई है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी आंदोलन या प्रदर्शन को लेकर सरकार का यह रुख सामने आया है।इससे पहले भी कई बार विद्यार्थियों और अन्य नागरिक समूहों ने अलग-अलग मुद्दे पर प्रदर्शन किया है, लेकिन उनकी मांगों पर विचार या बातचीत करने के बजाय उन्हें चुप करने और भगाने के लिए लाठी चार्ज का सहारा लिया गया।अफसोसनाक यह है कि बिहार में जो पार्टियां फिलहाल सत्ता में हैं, उन्होंने एक समय जनता की उपेक्षा किए जाने को ही मुद्दा बनाया था। हकीकत यह है कि आंदोलनों या प्रदर्शन के प्रति पिछले कुछ वर्षों से राज्य सरकार का जो रवैया है, उससे लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के लिए जगह सिमट रही है।

रोगियों की मुस्कान और उम्मीद का दूसरा नाम हैं नर्सें

सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है। वह अपने व्यवहार, शब्दों और संवेदनाओं से रोगी को यह विश्वास दिलाती है कि वह अकेला नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में नर्सों को धरती के फरिश्ते कहा जाता है। मानवीय सेवा का सबसे जीवंत और प्रभावशाली स्वरूप यदि कहीं दिखाई देता है तो वह नर्सिंग सेवा में दिखाई देता है। एक नर्स रोगी की पीड़ा को केवल देखती नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करती है। वह रात-रात भर जागकर मरीजों की देखभाल करती है, उनके दर्द की भाषा समझती है, उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखती है और कई बार अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य और अपनी खुशियों की कीमत पर भी रोगियों की सेवा करती है।

(ललित गर्ग)

सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है।

हर वर्ष 12 मई को पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाती है। यह दिन आधुनिक नर्सिंग सेवा की जननी मानी जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस उन अनगिनत संवेदनशील हाथों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो दिन-रात रोगियों के दर्द को कम करने, उन्हें जीवन का भरोसा देने और मृत्यु से संघर्ष कर रहे व्यक्ति के भीतर आशा का दीप जलाने का कार्य करते हैं। दुनिया में नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, हर दिन, नर्सें शांत शक्ति, स्थिर हाथों और करुणा से भरे दिलों के साथ अस्पतालों, क्लीनिकों और विभिन्न सामुदायिक स्थानों पर कदम रखते हुए रोगियों के लिये देवदूत बनती हैं। नर्सें भगवान का रूप होती है, वे ही इंसान के जन्म की पहली साक्षी बनती है और उनमें करुणा का बीज बोती है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ दे देती हैं। रोगी की सेवा करते हुए वे अपना पारिवारिक सुख, करियर, जीवन और वर्तमान सबकुछ झोंक देती है। वर्ष 2026 की थीम हमारी नर्सें, हमारा भविष्य- सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि यदि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाना है तो नर्सों को सम्मान, सुरक्षा, संसाधन और सशक्त वातावरण देना होगा। यह दिवस 1965 से इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज द्वारा शुरु हुआ है, बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश एवं दुनिया में नर्सों द्वारा किए गए अद्भुत सेवा कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं।

सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है। वह केवल इंजेक्शन लगाने, दवाइयां देने या रिपोर्ट संभालने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह रोगी के मनोबल की संरक्षक होती है। वह अपने व्यवहार, शब्दों और संवेदनाओं से रोगी को यह विश्वास दिलाती है कि वह अकेला नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में नर्सों को धरती के फरिश्ते कहा जाता है। मानवीय सेवा का सबसे जीवंत और प्रभावशाली स्वरूप यदि कहीं दिखाई देता है तो वह नर्सिंग सेवा में दिखाई देता है। एक नर्स रोगी की पीड़ा को केवल देखती नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करती है। वह रात-रात भर जागकर मरीजों की देखभाल करती है, उनके दर्द की भाषा समझती है, उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखती है और कई बार अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य और अपनी खुशियों की कीमत पर भी रोगियों की सेवा करती है। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के समय पूरी दुनिया ने देखा कि जब लोग अपने ही परिजनों से दूरी बना रहे थे, तब नर्सें संक्रमित मरीजों के सबसे निकट खड़ी थीं। उन्होंने मृत्यु के भय को पीछे छोड़कर जीवन की रक्षा का संकल्प निभाया। उस दौर ने यह सिद्ध कर दिया कि नर्सें केवल

स्वास्थ्यकर्मी नहीं, बल्कि मानवता की सबसे मजबूत प्रहरी हैं।

नर्सिंग सेवा केवल पेशा नहीं, बल्कि करुणा, धैर्य और त्याग की साधना है। एक नर्स उस समय भी मुस्कुराती रहती है जब वह स्वयं मानसिक और शारीरिक थकान से गुजर रही होती है। वह रोगियों के बीच आशा का वातावरण बनाती है। कई बार ऐसे मरीज, जो मानसिक रूप से टूट चुके होते हैं, नर्सों की आत्मीयता और प्रेरणा से पुनः जीवन के प्रति सकारात्मक हो जाते हैं। चिकित्सा विज्ञान में दवाइयों की अपनी भूमिका है, लेकिन संवेदनशील देखभाल और मानसिक संबल रोगी के उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। यही कारण है कि कहा जाता है कि नर्स का स्पर्श भी एक औषधि है। आज जब दुनिया आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में प्रवेश कर चुकी है, तब भी नर्सिंग सेवा की आवश्यकता और महत्ता कम नहीं हुई, बल्कि और अधिक बढ़ी है। मशीनें रोग का परीक्षण कर सकती हैं, लेकिन वे रोगी की आंखों में छिपे भय को नहीं पढ़ सकतीं। तकनीक इलाज का माध्यम बन सकती है, लेकिन वह करुणा का विकल्प नहीं बन सकती। नर्सों की सबसे बड़ी शक्ति उनकी संवेदनशीलता है, जो उन्हें अन्य सभी स्वास्थ्य सेवाओं से अलग पहचान देती है। इसी कारण आज भी नर्सिंग दुनिया का सबसे अधिक अपेक्षित और सम्मानित स्वास्थ्य पेशा माना जाता है।

विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक प्रशिक्षित नर्सों की कमी है। विकसित देशों में बेहतर वेतन और सुविधाओं के कारण विकासशील देशों की अनेक प्रतिभाशाली नर्सें विदेशों की ओर आकर्षित हो रही हैं। परिणामस्वरूप गरीब और विकासशील देशों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। विश्व स्तर पर नर्सों की बढ़ती आवश्यकता यह संकेत देती है कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता नर्सों की उपलब्धता और दक्षता पर ही निर्भर करेगी। इसलिए यह समय नर्सों को केवल सेवक के रूप में देखने का नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य व्यवस्था के निर्णायक स्तंभ के रूप में स्वीकार करने का है। भारत जैसे विशाल देश में नर्सिंग सेवा को अधिक सशक्त, सम्मानजनक और सुरक्षित बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। नर्सों के लिए बेहतर वेतनमान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां, पर्याप्त अवकाश, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग, कौशल विकास और नेतृत्व के अवसर सुनिश्चित किये जाने चाहिए। निजी और सरकारी अस्पतालों को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां नर्सें सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सकें। यदि नर्सें स्वयं तनाव, असुरक्षा और उपेक्षा से घिरी रहेंगी, तो स्वास्थ्य सेवाओं की मानवीय गुणवत्ता प्रभावित होगी। इसलिए नर्सों का कल्याण केवल उनका व्यक्तिगत प्रश्न नहीं, बल्कि पूरी मानवता के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ विषय है।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस की 2026 की थीम भी इसी सोच को आगे बढ़ाती है कि सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं। जब नर्सों को प्रशिक्षण, संसाधन, निर्णय लेने का अधिकार और सामाजिक सम्मान मिलेगा, तभी वे अपनी पूरी क्षमता के साथ समाज को स्वस्थ बना सकेंगी। यह दिवस हमें केवल नर्सों का सम्मान करने की प्रेरणा नहीं देता, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि नर्सों के बिना कोई भी स्वास्थ्य व्यवस्था पूर्ण नहीं हो सकती। अस्पतालों की वास्तविक धड़कन नर्सें ही हैं। रोगियों की आंखों में लौटती चमक, परिवारों के चेहरे पर आती राहत और स्वस्थ जीवन की ओर लौटते कदमों में नर्सों की निःस्वार्थ सेवा का मौन योगदान छिपा होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज नर्सों को केवल एक कर्मचारी के रूप में न देखे, बल्कि उन्हें मानवता के संवेदनशील रक्षकों के रूप में पहचाने। बच्चों के जन्म से लेकर जीवन की अंतिम सांस तक नर्सें हर महत्वपूर्ण क्षण में हमारे साथ खड़ी रहती हैं। वे दर्द को कम करती हैं, टूटे मन को संभालती हैं और निराशा में उम्मीद का प्रकाश जगाती हैं। सच तो यह है कि नर्सें केवल शरीर का उपचार नहीं करतीं, वे मनुष्य के भीतर जीने की इच्छा को भी जीवित रखती हैं।

आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये नर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करती है। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं बल्कि इसलिए कि वह सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करती हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मां के स्वरूप में स्नेहपूर्ण और फिक्र के साथ हर किसी की देखभाल और परवाह करने के शब्द को ही नर्स कहा जाता है। वे अस्पताल की रीड होती है। ऐसी मानवीय सेवा की अद्भुत फरिश्तों के कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही नर्सों की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी। इस अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर यही संकल्प अपेक्षित है कि हम नर्सों की सेवाओं को अधिक सम्मान, सुरक्षा और सहयोग प्रदान करें। उनके कल्याण, प्रोत्साहन और सशक्तिकरण का व्यापक चिंतन हो। जब नर्सों का जीवन अधिक सुरक्षित, संतुलित और सम्मानपूर्ण होगा, तब उनकी सेवाएं और अधिक प्रभावी, संवेदनशील और मानवीय बन सकेंगी। यही इस दिवस का वास्तविक उद्देश्य और मानवता के प्रति हमारी सच्ची संवेदनशीलता होगी।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दक्षिण से बंगाल तक विपक्ष की जमीन क्यों खिसक रही है? विंध्य के पार का किला और दलों की चुनौती

(पी. चिदंबरम)

पश्चिम बंगाल में मतदाता अधिकारों और एसआईआर प्रक्रिया ने लोकतंत्र पर गंभीर सवाल खड़े किए। भाजपा अब देश के बड़े हिस्से में लगभग निर्णायक राजनीतिक शक्ति बन चुकी है इन चुनावों पर एक ही दृष्टिकोण से बात करना संभव नहीं है। हर राज्य में एक अलग विमर्श उभरकर सामने आया है।विपक्षी गठबंधन के घटकों के बीच मूलभूत मतभेद हैं, लेकिन इन मतभेदों को राज्य स्तर तक ही सीमित रखना चाहिए और राष्ट्रीय स्तर पर एकता स्थापित करनी चाहिए।

चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हाल में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों से तीन राज्यों- केरलम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में नाटकीय बदलाव हुए हैं। जबकि असम और पुदुचेरी में मतदाताओं ने यथास्थिति बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया। इन चुनावों पर एक ही दृष्टिकोण से बात करना संभव नहीं है। हर राज्य में एक अलग विमर्श उभरकर सामने आया है। केरलम का परिदृश्य सीधा एवं स्पष्ट है। यहां कई दशकों से संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा यानी एलडीएफ बारी-बारी से राज्य की सत्ता में रहे हैं। यह सिलसिला वर्ष 2021 में तब टूटा, जब पिनरई विजयन के नेतृत्व में एलडीएफ दूसरी बार सत्ता में आई। कांग्रेस ने नया नेतृत्व (पीसीसी और सीएलपी) स्थापित किया और पिछले पांच वर्षों में पार्टी ने नए जोश के साथ सच्चे विपक्ष के रूप में काम किया है। इसका परिणाम स्पष्ट नजर आ रहा है। अब यूडीएफ की जिम्मेदारी है कि वह अपने शासन से ऐसे परिणाम दें, जो गठबंधन सहयोगियों को एकजुट रखे तथा धर्मनिरपेक्षता, आर्थिक प्रगति, समृद्धि और संघवाद को आगे बढ़ाए।

अप्रत्याशित परिणाम- तमिलनाडु की कहानी जटिल है। यहां कांग्रेस और अन्य धर्मनिरपेक्ष दलों के समर्थन से द्रमुक वर्ष 2021 में भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई। उसने निस्संदेह दो मोर्चों पर बेहतरीन प्रदर्शन किया- आर्थिक विकास और कल्याणकारी योजनाओं को लागू करना। मगर जाहिर तौर पर मतदाताओं को प्रभावित करने वाले अन्य कारक भी थे। इनमें से एक अज्ञात कारक था अभिनेता जोसेफ विजय का चुनाव में उतरना, जिनके प्रशंसकों की संख्या, खासकर युवाओं और महिलाओं की बहुत अधिक है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही एक नई राजनीतिक हवा चलनी शुरू हो गई, मतदान की तारीख से ठीक पहले आखिरी दस दिनों में यह हवा तेज होकर तूफान में बदल गई, इसने 108 निर्वाचन क्षेत्रों को प्रभावित किया, लेकिन इससे आगे नहीं बढ़ पाई।

दो साल पुरानी राजनीतिक पार्टी (टीवीके) के लिए यह एक शानदार शुरुआत थी। इसके अधिकांश उम्मीदवार अनजान चेहरे थे और कुछ ही लोगों ने प्रचार किया। हर जगह उम्मीदवार 'विजय' ही थे। विजय के कुछ छोटे भाषण, वीडियो संदेश और कई फिल्मी गाने ही 'चुनाव प्रचार' का आधार बने। इस चुनाव में टीवीके साधारण बहुमत से 11 सीट पीछे रह गई, लेकिन राष्ट्रपति शासन और दोबारा चुनाव से बचने के लिए, कांग्रेस (5), सीपीआइ (2), माकपा (2) और वीसीके (2) ने टीवीके को समर्थन देने का फैसला किया है।

पश्चिम बंगाल की कहानी सबसे महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें देश की राजनीति की दिशा बदलने की क्षमता है। यहां धर्मनिरपेक्ष दल- कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और माकपा ने पिछले दस वर्षों में मजबूत हुई भाजपा के खिलाफ अलग-अलग चुनाव लड़े। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में एसआइआर ने बड़ी संख्या में मतदाताओं को मतदान से वंचित कर दिया और लोकतंत्र पर गहरा आघात हुआ। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां बेटा या बेटी मतदाता थे, लेकिन पिता या माता नहीं थे। परिवार मतदाता और गैर-मतदाता में बंट गए थे। न्यायपालिका और अस्थायी न्यायिक उपायों ने लाखों मतदाताओं को निराश किया तथा हजारों लोगों को मताधिकार से वंचित कर दिया गया। एसआइआर के अलावा तीन कार्यकाल का बोझ भी तृणमूल कांग्रेस के लिए भारी साबित हुआ।

भाजपा का दबदबा- तृणमूल कांग्रेस की पराजय गंभीर घटनाक्रमों का संकेत देती है- भाजपा अब अकेले या गठबंधन सरकारों के माध्यम से पश्चिमी राज्यों (महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा), हिंदी पट्टी के अधिकांश हिस्सों (हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को छोड़कर), पूर्वी राज्यों और पूर्वोत्तर में शासन कर रही है। प्रतीकात्मक रूप से कहा जाए तो विंध्य पर्वतमाला भाजपा के लिए दक्षिण भारत के पांच राज्यों में प्रवेश के रास्ते में बाधा बनी हुई है। केरलम और तमिलनाडु में प्रवेश करने के उसके अथक प्रयासों को मतदाताओं ने पूरी तरह से नकार दिया (जिसके परिणामस्वरूप भाजपा को क्रमशः तीन और एक सीटें मिलीं)। हालांकि, शेष भारत पर उसका नियंत्रण लगभग पूर्ण हो चुका है। वर्ष 2024 में लोकसभा में केवल 240 सीटें जीतने के बावजूद भाजपा ने संसद में कई विवादास्पद विधेयक पारित किए हैं-

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025

जम्मू-कश्मीर स्थानीय निकाय (संशोधन) अधिनियम, 2025

कराधान कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 अन्य विवादास्पद विधेयक भी आने वाले हैं, जिनमें लोकतंत्र विरोधी 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक भी शामिल है। बहुमत न होने के बावजूद भाजपा ने संसद में विवादास्पद संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पेश किया, जिसका उद्देश्य सितंबर 2023 में पारित महिला आरक्षण विधेयक को निरस्त करके पुनः लागू करना था।

वैश्विक संकट के बीच सबसे बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं मोदी

वैश्विक चुनौतियों, बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताओं और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं। 15 मई से 20 मई तक प्रस्तावित उनकी बहुराष्ट्रीय विदेश यात्रा के दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत की वैश्विक रणनीति, आर्थिक हितों और सामरिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस दौरान ऊर्जा सहयोग, व्यापार, हरित प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश, नवाचार और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और अधिक मजबूत होने की संभावना है।

(नीरज कुमार दुबे)

भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है।

वैश्विक चुनौतियों, बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताओं और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं। 15 मई से 20 मई तक प्रस्तावित उनकी बहुराष्ट्रीय विदेश यात्रा के दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत की वैश्विक रणनीति, आर्थिक हितों और सामरिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस दौरान ऊर्जा सहयोग, व्यापार, हरित प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश, नवाचार और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और अधिक मजबूत होने की संभावना है। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है। हाल के वर्षों में भारत ने विश्व मंच पर एक भरोसेमंद और संतुलित शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यही कारण है कि यूरोप और पश्चिम एशिया के देश भारत को भविष्य के आर्थिक और सामरिक साझेदार के रूप में देख रहे हैं।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात से करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग, निवेश, डिजिटल भुगतान, रक्षा और भारतीय समुदाय के कल्याण जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। संयुक्त अरब अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है तथा बीते पच्चीस वर्षों में भारत में निवेश करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते ने व्यापार को नई गति दी है। ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी संयुक्त अरब अमीरात भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी है। इसके अलावा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा दोनों देशों की सामरिक निकटता को और अधिक मजबूत बना रहा है। वहां रह रहे लाखों भारतीय दोनों देशों के सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों की मजबूत कड़ी हैं।

संयुक्त अरब अमीरात के बाद प्रधानमंत्री नीदरलैंड जाएंगे। यह यात्रा भारत और नीदरलैंड के बीच बढ़ते आर्थिक तथा प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा देगी। प्रधानमंत्री वहां के राजा विलेम अलेक्जेंडर, महारानी माक्सिमा और प्रधानमंत्री रोब येटन से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, सेमीकंडक्टर और नवाचार जैसे क्षेत्रों में तेजी से सहयोग बढ़ रहा है। नीदरलैंड यूरोप में भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत में बड़े निवेशकों में शामिल है। जल प्रबंधन और कृषि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नीदरलैंड की विशेषज्ञता भारत के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जाती है। दोनों देश मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समर्थन में भी एक समान दृष्टिकोण रखते हैं।

मोदी की स्वीडन की यात्रा भारत और नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ते सहयोग को और मजबूत बनाएगी। प्रधानमंत्री गोथेनबर्ग में स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन से वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार, हरित परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उभरती प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की संभावनाएं हैं। हम आपको बता दें कि स्वीडन की अनेक प्रमुख कंपनियां भारत में सक्रिय हैं और दोनों देशों के बीच नवाचार आधारित साझेदारी तेजी से विकसित हो रही है। भारत और स्वीडन लोकतांत्रिक मूल्यों, सतत विकास और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में समान सोच रखते हैं। हरित औद्योगिक परिवर्तन और जलवायु संरक्षण के लिए दोनों देशों का सहयोग वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी इसके बाद नॉर्वे जाएंगे, जहां वह तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नॉर्वे की पहली यात्रा होगी और पिछले तैंतालीस वर्षों में भारत से वहां होने वाली पहली प्रधानमंत्री स्तरीय यात्रा भी मानी जा रही है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्तोरे के साथ होने वाली वार्ता में व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और समुद्री अर्थव्यवस्था पर विशेष जोर रहेगा। भारत और नार्वे के संबंध समुद्री सहयोग, हरित ऊर्जा और सतत विकास पर आधारित हैं। भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई गति मिलने की संभावना है। नॉर्वे का विशाल पेंशन कोष भारतीय पूंजी बाजार में महत्वपूर्ण निवेश कर चुका है। आर्कटिक क्षेत्र, हरित जहाजरानी और समुद्री संसाधनों के प्रबंधन में दोनों देशों का सहयोग भविष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पक्ष होगा। इसमें नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के शीर्ष नेता शामिल होंगे। यह मंच भारत और नॉर्डिक देशों के बीच प्रौद्योगिकी, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष, सतत विकास और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई रणनीतिक दिशा देगा। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में यह सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री इटली जाएंगे। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला के साथ उनकी बैठकें भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगी। दोनों देश 2025 से 2029 तक की संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना पर तेजी से काम कर रहे हैं। व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग इसके प्रमुख क्षेत्र हैं। इटली ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से अलग होकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को समर्थन दिया है, जिससे दोनों देशों की सामरिक निकटता बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में सह-विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर दिया जा रहा है। इटली भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के प्रयासों का भी समर्थन करता रहा है। वहां रह रहा भारतीय समुदाय दोनों देशों के संबंधों को सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती प्रदान करता है। इस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह विदेश यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का प्रतीक भी है। यह यात्रा भारत को ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी सहयोग, हरित विकास, रक्षा साझेदारी और वैश्विक व्यापार के नए अवसर प्रदान करेगी। साथ ही यह संदेश भी देगी कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख और विश्वसनीय केंद्र बनकर उभर रहा है।

डाक विभाग द्वारा जगदलपुर में जीडीएस सभा एवं क्षमता विकास कार्यशाला का आयोजन

डाक विभाग के सर्वोच्च अधिकारी महानिदेशक, डाक सेवायें सम्मिलित हुए

जगदलपुर/मूक पत्रिका

डाक विभाग द्वारा आज बस्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स सभागार, जगदलपुर में जीडीएस सभा (क्षमता संवर्धन कार्यशाला) का आयोजन किया गया, जिसमें बस्तर संभाग के लगभग 180 ग्रामीण डाक सेवकों (जीडीएस) ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अग्रिम पंक्ति के डाक कर्मियों की क्षमता सुदृढ़ करना तथा क्षेत्र में वित्तीय समावेशन, बीमा कवरेज और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में इंडिया पोस्ट की भूमिका को और मजबूत करना था।

कार्यशाला की अध्यक्षता जितेन्द्र गुप्ता, महानिदेशक डाक सेवायें, डाक निदेशालय, नई दिल्ली ने की। उनके साथ अजय सिंह चैहान, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल, रायपुर तथा डाक विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।सभा को संबोधित करते हुए महानिदेशक डाक ने कठिन परिस्थितियों में आवश्यक डाक एवं वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने वाले ग्रामीण डाक सेवकों के समर्पण और दृढ़ता की सराहना की। उन्होंने कहा कि बस्तर, जो हाल ही में वामपंथी उग्रवाद की छाया से बाहर आया है, अब शांति, विकास और अवसर के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने इस परिवर्तन को सुदृढ़ करने में इंडिया पोस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया, विशेषकर अंतिम छोर तक सरकारी सेवाओं, वित्तीय उत्पादों और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित करने में। महानिदेशक डाक ने बस्तर संभाग के एक आकांक्षी संभाग होने के महत्व को रेखांकित करते हुए जीडीएस को वित्तीय साक्षरता फैलाने, बीमा कवरेज बढ़ाने तथा बचत और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की पहुँच सुगम बनाने के लिए परिवर्तन के संवाहक के रूप में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के जरिये दिये गये टारगेट को पुरा करने के महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, छत्तीसगढ़ परिमंडल ने सेवा गुणवत्ता में सुधार, ग्राहक पहुँच के विस्तार तथा डाक बचत योजनाओं, डाक जीवन बीमा (पीएलआई), ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) सेवाओं के प्रभावी उपयोग तथा आज किये गये कार्यों के भावी पिढ़ी को होने वाले लाभ तथा राष्ट्र निर्माण में इसके असर को रेखांकित किया।कार्यक्रम का समापन प्रमुख निष्कर्षों के संक्षेप और बस्तर को वित्तीय रूप से साक्षर, पर्याप्त रूप से बीमित और डिजिटल रूप से सशक्त बनाने हेतु स्पष्ट लक्ष्यों और दिशा-निर्देशों के साथ किया गया। जीडीएस सभा ने जमीनी स्तर पर समावेशी विकास और राष्ट्र निर्माण के प्रति डाक विभाग की प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया।

पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने से आम लोगों की बढ़ी परेशानी, उग्रसेन साहू ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर अब राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। सरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उग्रसेन साहू ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता, किसान, व्यापारी और मजदूर सभी परेशान हैं। उग्रसेन साहू ने आरोप लगाया कि 15 मई से पेट्रोल और डीजल के दाम में करीब 4 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है, जिससे लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले से ही डीजल की कमी से किसान परेशान हैं और अब कीमत बढ़ने से खेती-किसानी का खर्च और बढ़ जाएगा।किसानों को लाइन में खड़ा किया जा रहा उन्होंने कहा कि किसानों को हर काम के लिए लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। कभी खाद के लिए, कभी पंजीयन के लिए, कभी टोकन और सत्यापन के लिए तो अब डीजल के लिए लंबी कतार में लगना पड़ रहा है।उग्रसेन साहू ने कहा कि खेती-किसानी का समय चल रहा है, लेकिन डीजल की कमी और बढ़ी कीमतों ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ट्रैक्टर और कृषि उपकरणों के संचालन में ज्यादा खर्च आ रहा है, जिसका सीधा असर खेती पर पड़ रहा है।

पेट्रोल पंपों में किया गया नाटक-कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि कुछ पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा डीजल की कमी का माहौल बनाकर किसानों को पर्याप्त मात्रा में तेल नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि अचानक दाम बढ़ने से पहले क्षेत्र में डीजल की किल्लत देखी गई, जिससे लोगों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ा। उग्रसेन साहू ने कहा कि देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है। गैस सिलेंडर, बिजली बिल, खाद-बीज और रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ने से आम जनता की हालत खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि युवा, व्यापारी, कर्मचारी और किसान कोई भी वर्ग खुश नहीं है। उन्होंने केंद्र सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार महंगाई रोकने में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

जनता चुनाव में जवाब देगी-उग्रसेन साहू ने कहा कि बढ़ती महंगाई और अव्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी है और आने वाले समय में जनता इसका जवाब देगी। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती कीमतों से लोगों का बजट बिगड़ गया है और आम आदमी की जिंदगी मुश्किल होती जा रही है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत 15 जोड़ों का विवाह हुआ संपन्न

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह के तहत एकीकृत बाल विकास परियोजना पामगढ़ अंतर्गत सद्भावना भवन में 15 जोड़ों को विवाह सपन्न हुआ। समारोह में उपस्थित अतिथियों और जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों पर पुष्प वर्षा कर उन्हें सुखद वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया। शासन की योजना के अनुरूप प्रत्येक जोड़े के बैंक खाते में निर्धारित राशि प्रदान किया गया। इस दौरान समाज को बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में पामगढ़ विधायक श्रीमती शेषराज हरबंश, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी जिला पंचायत सदस्य श्रीमती प्रीति अजय दिव्य, श्रीमती प्रमिला अजय साहू, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष रूपचंद साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गौरी छोटू जांगड़े शामिल हुए एवं नवदंपत्तियों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनीता अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

सांसद भोजराज नाग के तेवर से कांपे रेत माफिया: 12 चैनमाउंट मशीनें सीज, अफसर भी आए लपेटे में

12 चैनमाउंट और 10 हाईवा जब्त, मची खलबली

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:-कांकेर जिले में अवैध रेत उत्खनन और तस्करी के खिलाफ सांसद भोजराज नाग ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को 'सुशासन तिहार' कार्यक्रम के दौरान सांसद का गुस्सा उस समय फूट पड़ा जब उन्होंने प्रशासनिक ढुलमुल रवैये को देखा। सांसद ने मंच से ही तहसीलदार और पुलिस जवानों को जमकर फटकार लगाई और इसके बाद देर रात खुद अधिकारियों को लेकर चारामा इलाके की रेत खदानों में जा पहुंचे। सांसद भोजराज नाग जब लाव-लश्कर के साथ चारामा की खदानों पर पहुंचे, तो वहां का नजारा देख दंग रह गए। प्रतिबंधित होने के बावजूद खदानों से चैनमाउंट मशीनों के जरिए धड़ल्ले से रेत निकाली जा रही थी। सांसद की मौजूदगी में हुई इस छापामार कार्रवाई से माफियाओं में भगदड़ मच गई। मौके से टीम ने 12 से अधिक चैनमाउंट मशीनें और लगभग 10 हाईवा वाहनों को जब्त किया है।

अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल- सांसद ने मौके पर ही मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि ÷जब स्थानीय लोग लंबे समय से शिकायत कर रहे हैं और प्रशासन ने भी निर्देश दिए हैं, तो खनिज विभाग हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठा था?÷ हल्बा में आयोजित कार्यक्रम में तहसीलदार को लगाई गई फटकार चर्चा का विषय बनी हुई है।

भानुप्रतापपुर से चारामा तक फैला है 'सफेद सोने' का काला खेल-बता दें कि जिले के भानुप्रतापपुर, दुर्गुकोंदल और चारामा इलाकों में बड़ी संख्या में रेत खदानें संचालित हैं। यहां मशीनों के जरिए दिन-रात रेत की तस्करी की जा रही है। खनिज विभाग की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए सांसद ने साफ चेतावनी दी है कि अवैध कारोबार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पेट्रोल-डीजल को लेकर अफवाहों पर प्रशासन सतर्क, पर्याप्त भंडार उपलब्धः सहायक खाद्य अधिकारी

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले में पेट्रोल और डीजल को लेकर लोगों के बीच बढ़ती चिंता और घबराहट की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट की है। सहायक खाद्य अधिकारी ने कहा है कि जिले में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और आम जनता को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ने पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की है। कंपनियों की ओर से प्रशासन को जानकारी दी गई है कि जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है तथा आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। प्रशासन की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि बड़ी गाड़ियों के लिए फिलहाल सीमा निर्धारित की गई है, ताकि आवश्यक सेवाओं और आम नागरिकों को नियमित रूप से ईंधन उपलब्ध कराया जा सके। सहायक खाद्य अधिकारी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से पेट्रोल-डीजल का भंडारण करने की कोशिश न करें। उन्होंने कहा कि डिब्बों और जरकिन में पेट्रोल-डीजल ले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है, ताकि सुरक्षा व्यवस्था और आपूर्ति प्रणाली प्रभावित न हो।हालांकि चिकित्सा सेवाओं, कृषि कार्यों तथा शासकीय सेवाओं के लिए आवश्यकतानुसार ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी नहीं

रायगढ़ में हैवानियत की सारी हदें पारः पूंजीपथरा में वीभत्स हालत में मिली महिला अधिवक्ता की लाश, कोर्ट में श्रद्धांजलि, स्क्कसे मिला वकीलों का दल; मोबाइल 'मैसेज' से गहराया रहस्य

रायगढ़/मूक पत्रिका

शहर से सटे पूंजीपथरा इलाके में 12 मई को जिस अज्ञात युवती की बेहद खौफनाक और नग्न अवस्था में लाश मिली थी, उसकी शिनाख्त हो गई है। वह कोई और नहीं, बल्कि रायगढ़ न्यायालय में प्रैक्टिस करने वाली एक युवा महिला अधिवक्ता (छ्वह्लठ्ठद्बश्वह्ल ख्रु24द्गह्ल) थी। लैलूंगा-तमनार क्षेत्र की रहने वाली इस युवती के साथ जिस दर्जे की हैवानियत की गई है, उसने पूरे शहर की रूह कंपा दी है। हत्यारों ने न सिर्फ बेरहमी से उसका कत्ल किया, बल्कि पुलिस और परिजनों को गुमराह करने के लिए उसके ही मोबाइल से एक बेहद शातिर साजिश भी रची। इस नृशंस हत्याकांड के विरोध में आज रायगढ़ न्यायालय में वकीलों द्वारा शोक सभा का आयोजन कर मृतका को श्रद्धांजलि दी गई। फिलहाल अधिवक्ता संघ का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल रायगढ़ एसपी से मुलाकात कर जल्द खुलासे की मांग कर रहा है। पूंजीपथरा के कटेल टिकरा में 12 मई को मिली थी अज्ञात युवती की लाश, अब 'महिला अधिवक्ता' के रूप में हुई शिनाख्त

हैवानियत की इंतहाः पुलिस इश्तहार के अनुसार शव नग्न था, गला कटा था और पहचान छिपाने के लिए चेहरे को भारी पत्थर से कुचला गया था हत्यारों की शातिर चालः लापता होने के बाद भी युवती के मोबाइल से उसके परिचितों को लगातार भेजे जा रहे थे मैसेज-?घटना वाले दिन एक 'फंक्शन' में जाने की बात कहकर घर से निकली थी युवती, मोबाइल चैट से खुलेगा हत्या का राजवकीलों में भारी आक्रोशः कोर्ट में शोक सभा के बाद ष्ठछ्वरू को ज्ञापन, निष्पक्ष जांच के लिए स्क्क से मिलने पहुंचा प्रतिनिधिमंडल इश्तहार में दर्ज हैवानियत की वो खौफनाक दास्तान

इस हत्याकांड में दरिंदगी की सारी हदें पार कर दी गई हैं। थाना पूंजीपथरा द्वारा जारी किए गए आधिकारिक इश्तहार (अपराध क्रमांक 108/2026, बीएनएस की धारा 103(1), 238) के विवरण ने झकझोर कर रख दिया है। 12 मई की दोपहर कटेल टिकरा की शासकीय जमीन पर युवती का शव औंधे मुंह पड़ा मिला था। शरीर पर कपड़े नहीं थे, गर्दन पर चाकू से वार के गहरे निशान थे और सिर के पिछले हिस्से में एक भारी पत्थर रखा हुआ था। साक्ष्य और पहचान छिपाने के लिए हत्यारों ने युवती के चेहरे को इतनी बेरहमी से कुचला था कि पहली नजर में शिनाख्त करना नामुमकिन था। घटनास्थल पर बिखरे कपड़े और हालात चीख-चीख कर किसी बड़ी दरिंदगी और गहरी साजिश की गवाही दे रहे थे।

मोबाइल के 'मैसेज' और साजिश का गहराता सस्पेंस-? सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस हत्याकांड में हत्यारों ने पुलिस की जांच को भटकाने के लिए एक बेहद शातिर 'स्क्रिप्ट' तैयार की थी। जानकारी के मुताबिक, आखिरी बार जब युवती रायगढ़ स्थित अपने घर से निकली थी, तो उसने दोस्तों को बताया था कि वह पूंजीपथरा में अपने किसी रिश्तेदार के यहां एक 'फंक्शन' में शामिल होने जा रही है। सबसे खौफनाक बात यह है कि युवती के लापता होने के बाद भी उसके परिचितों को उसके मोबाइल से लगातार कुछ मैसेज मिल रहे थे। यह स्पष्ट रूप से हत्यारों की चाल थी, ताकि परिजनों और दोस्तों को लगे कि वह सुरक्षित है और उसकी तलाश में देरी हो सके। वे मैसेज क्या थे और किसने टाइप किए? इसका राज अब साइबर सेल की जांच में ही खुलेगा।

वकीलों में भारी आक्रोश, एसपी से मिला प्रतिनिधिमंडल-एक युवा और होनहार महिला वकील के साथ हुई इस बर्बरता ने रायगढ़ के पूरे अधिवक्ता संघ को झकझोर कर रख दिया है। आज शुक्रवार को न्यायालय परिसर में एक विशेष शोक सभा आयोजित की गई, जहां नम आंखों से युवती को श्रद्धांजलि दी गई। इसके तुरंत बाद वकीलों का एक प्रतिनिधिमंडल रायगढ़ एसपी शशि मोहन सिंह से मुलाकात करने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच चुका है। अधिवक्ता संघ द्वारा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के माध्यम से भी ज्ञापन सौंपा जा रहा है, जिसमें इस अंधे कत्ल की निष्पक्ष जांच और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर फांसी के फंदे तक पहुंचाने की मांग की गई है। रायगढ़ पुलिस का दावा है कि वह इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के बेहद करीब है। अब पूरे शहर की निगाहें पुलिस के आधिकारिक खुलासे पर टिकी हैं।

बरमकेला में गांजा तस्करी पर पुलिस की कार्रवाई, पिता-पुत्र गिरफ्तार, 8 किलो से ज्यादा गांजा जब्त..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के बरमकेला थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी अलग-अलग टीवीएस एक्सेल वाहन में गांजा लेकर जा रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 8 किलो 460 ग्राम गांजा जब्त किया है।जानकारी के अनुसार 13 मई 2026 की रात थाना बरमकेला पुलिस की टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान ग्राम बरमकेला स्थित एपेक्स बैंक के सामने मेन रोड पर दो व्यक्ति संदिग्ध हालत में वाहन लेकर खड़े दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों घबराए हुए नजर आए, जिसके बाद जवानों ने उन्हें रोककर पूछताछ की।

पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम अजीत कुमार सिंह उम्र 55 वर्ष निवासी मिर्जापुर उत्तर प्रदेश और उसके 14 वर्षीय नाबालिग पुत्र के रूप में बताया। जांच के दौरान दोनों के पास से कुल 8 पैकेट गांजा बरामद हुआ, जिसका वजन 8 किलो 460 ग्राम बताया गया है।पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने उड़ीसा से उत्तर प्रदेश गांजा तस्करी करने की बात स्वीकार की। मौके पर गवाहों की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गांजा जब्त कर लिया। मामले में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 बी के तहत अपराध दर्ज किया गया है। कार्रवाई के बाद दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

बेमेतरा RSETI में -HELP कार्यक्रम अंतर्गत 'पशु सखी' प्रशिक्षण शुरू

ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता को मिल रही नई उड़ान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए स्क्चद्ध ऋस्श्वञ्जद्ध बेमेतरा में ‘-॥श्वस्क्क (ष्ह्वद्गस्त्रद्बह्लद्गस्त्र ‘द्गद्गठ्ठह्ल द्बश्वह्ल ॥द्गडुद्यह्लद्ध डुठ्ठस्त्र श्व×ह्लद्गठ्ठह्यद्बश्वठ्ठ श्वद्ब स्द्ब1द्गह्यह्लश्वष्ब्न क्क्रश्वस्त्रह्लष्ह्लद्बश्वठ्ठ) कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष 'पशु सखी' प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 मई से 28 मई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क एवं आवासीय है, जिसमें प्रतिभागियों के रहने एवं भोजन की समुचित व्यवस्था भी की गई है। इस 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ग्रामों से चयनित 30 महिला स्व-सहायता समूह की सदस्याएं भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को पशुपालन एवं पशु स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित तकनीकी जानकारी देकर उन्हें स्वरोजगार एवं सेवा आधारित गतिविधियों से जोड़ना है, ताकि वे गांव स्तर पर पशुपालकों की मदद कर सकें और अतिरिक्त आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बन सकें।

अनुभवी मास्टर ट्रेनर्स दे रहे व्यावहारिक प्रशिक्षण-प्रशिक्षण को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (ह्रष्ठष्ठक्च) से प्रमाणित अनुभवी मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिलाओं को केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं, बल्कि फील्ड विजिट एवं प्रैक्टिकल के माध्यम से आधुनिक पशुपालन तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान भी कराया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को दुधारू पशुओं की उन्नत देखरेख, संतुलित पोषण, नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, पशुओं में होने वाली सामान्य एवं मौसमी बीमारियों की पहचान, प्राथमिक उपचार, टीकाकरण एवं रोगों से बचाव संबंधी आवश्यक सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

साथ ही पशुपालकों को जागरूक करने एवं गांव स्तर पर पशु चिकित्सा सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। कार्यक्रम समन्वयक ने बताया कि यह प्रशिक्षण ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये 'पशु सखी' अपने-अपने गांवों में पशुपालकों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगी तथा पशुधन संरक्षण एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने में सहयोग करेंगी।

प्रशिक्षण उपरांत मिलेगा प्रमाण पत्र-प्रशिक्षण पूर्ण होने पर सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। इससे महिलाएं भविष्य में पशुपालन आधारित गतिविधियों से जुड़कर स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त कर सकेंगी और ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन का मजबूत माध्यम बनेंगी। प्रशिक्षण अवधिः 13 मई से 28 मई 2026, आयोजक संस्थाः स्क्चद्ध ऋस्श्वञ्जद्ध बेमेतरा, सहयोगी विभागः राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग, प्रतिभागीः जिले की 30 महिला स्व-सहायता समूह सदस्य, विशेषताः पूर्णतः निःशुल्क एवं आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, उद्देश्यः महिलाओं को पशुपालन आधारित स्वरोजगार एवं पशु स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सीनेट में डिएगो गार्सिया सैन्य अड्डे का मुद्दा उठा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट की एक सुनवाई के दौरान रणनीतिक रूप से अहम डिएगो गार्सिया सैन्य अड्डे का मुद्दा अचानक उठाया गया। रिपब्लिकन सांसद जॉन कैनेडी ने चेतावनी दी कि चागोस द्वीप समूह विवाद के जरिये हिंद महासागर में चीन का प्रभाव बढ़ सकता है। यह सुनवाई राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट प्रस्ताव पर हुई। कैनेडी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की चागोस द्वीप और मॉरीशस से जुड़ी योजनाओं की आलोचना की। कैनेडी ने कहा कि मॉरीशस के चीन से करीब संबंध हैं और यदि द्वीपों का नियंत्रण उसे मिला तो यह अमेरिकी हितों के लिए खतरा बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मॉरीशस डिएगो गार्सिया की एक अतिरिक्त चाबी चीन को दे सकता है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सीधे इस टिप्पणी का समर्थन नहीं किया। लेकिन उन्होंने डिएगो गार्सिया की रणनीतिक अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डिएगो गार्सिया अमेरिका के लिए बेहद अहम सैन्य स्थान है और भविष्य में भी वहां संचालन क्षमता बनाए रखना जरूरी है।

कोलंबिया में पिछले साल का सशस्त्र संघर्ष एक दशक में सबसे गंभीर: रेड क्रॉस रिपोर्ट

कोलंबिया, एजेंसी। पिछले एक वर्ष में आम नागरिकों पर सशस्त्र संघर्ष का असर पिछले एक दशक में सबसे खराब रहा है। रेड क्रॉस की एक वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में विस्थापित लोगों की संख्या दोगुनी होकर 2,35,000 तक पहुंच गई, क्योंकि आपराधिक गिरोह और विद्रोही समूह सरकार और एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। छोटे शहरों और गांवों में विद्रोही समूहों की ओर से लगाए गए लॉकडाउन की घटनाएं भी 99 फीसदी बढ़ गई। दशकों से कोलंबिया में विद्रोही समूह और ड्रग तस्कर ग्रामीण इलाकों पर नियंत्रण के लिए सरकार से लड़ते रहे हैं। 2016 के शांति समझौते के बाद हिंसा में कमी आई थी। लेकिन बाद में छोटे समूहों ने खाली हुए इलाकों पर कब्जा कर लिया। रेड क्रॉस ने कहा कि 2025 की स्थिति पिछले कई वर्षों से चले आ रहे लगातार बिगड़ते हालात का नतीजा है।

हंगरी में 16 साल बाद नई सरकार, मंत्रियों ने संभाले पदभार

बुडापेस्ट, एजेंसी। यूरोपीय देश हंगरी में 16 साल के बाद व्यवस्था बदल गई है। मंत्रियों ने पदभार संभाल लिए हैं। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में मंगलवार को प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल मंत्रियो को शपथ दिलाई गई। सत्ता हस्तांतरण से पहले मैग्यार की प्रो-यूरोपीय तिस्ज़ा पार्टी ने पिछले महीने ओर्बन की फ़िडेज़ पार्टी को हराकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। इसी के साथ 16 साल से चला आ रहा ओर्बन के राजनीतिक सिस्टम का पटाक्षेप हो गया है। पीटर मैग्यार ने अपनी नीतियों का संकेत देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व वाली नई सरकार सभी हंगरीवासियों की होगी और मंत्री राष्ट्र सेवा की भावना के साथ काम करेंगे। मैग्यार ने भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, सार्वजनिक धन की वसूली, लोकतांत्रिक संस्थाओं को बहाल करने जैसे लुभावने वादे भी किए। नई सरकार में 16 मंत्रालय हैं, जिनमें स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा के लिए अलग विभाग हैं। इसका लक्ष्य यूरोपीय संघ के जमे हुए करीब 17 अरब यूरो के फंड को वापस लाना है, जिस पर विदेश मंत्री अनीता ओर्बन ने भी जोर दिया।

नेपाल में रखी गई स्कूल भवन की आधारशिला

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के अछाम जिले में मंगलवार को भारत की सहायता से एक स्कूल भवन की आधारशिला रखी गई। यह बसुकी माध्यमिक विद्यालय सुदूरपश्चिम प्रांत में बन रहा है। भारतीय दूतावास के प्रथम सचिव नारायण सिंह और मेलेख ग्रामीण नगर पालिका के अध्यक्ष ज्वाला सिंह सऊद ने आधारशिला रखी। भारत सरकार 38 दस लाख नेपाली रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। यह उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजना का हिस्सा है। अध्यक्ष सऊद ने भारत के विकास समर्थन की सराहना की। उन्होंने विश्वास जताया कि यह छात्रों के सीखने के माहौल को बेहतर बनाएगा।

ट्रंप के रक्षा बजट पर बवाल: ईरान युद्ध पर अमेरिकी संसद में घमासान, हेगसेथ बोले- अब भी हमारे हाथ में सारे पत्ते

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान का जोरदार बचाव किया। उन्होंने कहा कि तमाम तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी संकट के बावजूद अमेरिका अब भी सभी पत्ते अपने हाथ में रखता है।

सीनेट विनियोग उपसमिति के समक्ष रक्षा मामलों की सुनवाई के दौरान हेगसेथ ने डेमोक्रेट सांसदों के साथ तीखी बहस की। इस बैठक में जॉइंट चीफ्स चेयरमैन डैन केन भी मौजूद थे। सुनवाई का मुख्य मुद्दा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रस्तावित 1.5 ट्रिलियन डॉलर का रक्षा बजट, ईरान युद्ध की बढ़ती लागत, होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से बढ़ती तेल कीमतें और चीन-यूक्रेन को लेकर अमेरिकी रणनीति रही।

हेगसेथ ने ईरान को लेकर क्या कहा?: हेगसेथ ने कहा कि ईरान की सैन्य ताकत को बड़ा नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने दावा किया कि 47 वर्षों से ईरान अमेरिका पर हमला करता रहा है और परमाणु हथियार कार्यक्रम को लेकर झूठ बोलता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने आखिरकार कार्रवाई करने का साहस दिखाया। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की पूरी पारंपरिक नौसेना अब फारस की खाड़ी के तल में पड़ी है

और मौजूदा स्थिति में अमेरिका के पास पहले से ज्यादा दबदबा है।

हेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन पर उठाए गंभीर सवाल: हालांकि डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन की रणनीति पर गंभीर सवाल उठाए। सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि यह युद्ध बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य और अंत की योजना के लड़ा जा रहा है, जिसकी कीमत अमेरिकी जनता चुका रही है। वहीं सीनेटर पैटी मरे ने बढ़ती ईंधन और खाद्य कीमतों के बीच भारी रक्षा खर्च पर सवाल उठाए।

ईरान युद्ध में अमेरिका का कितना हुआ खर्च?

पेंटागन के मुताबिक ईरान संघर्ष पर अब तक करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं, हालांकि अमेरिकी सैन्य ठिकानों को हुए नुकसान का पूरा आकलन अभी बाकी है।

किन-किन विषयों पर हुई चर्चा?

सुनवाई के दौरान सबसे बड़ा सवाल होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर उठा। वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद अहम इस समुद्री मार्ग में व्यवधान के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं। इस पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका के पास सैन्य विकल्प मौजूद हैं, लेकिन वाशिंगटन अब भी बातचीत के जरिए समाधान चाहता है ताकि ईरान अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में समुद्री डकैती बंद करे। जॉइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल डैन केन ने भी माना कि ईरान अपनी सैन्य गतिविधियों के जरिए दुनिया की अर्थव्यवस्था को बंधक बनाए हुए है, लेकिन उन्होंने सैन्य योजनाओं पर सार्वजनिक रूप से ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। सुनवाई में मिच मैककोनेल ने नाटो सहयोगियों और यूक्रेन को समर्थन जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे समय में जब अमेरिका के विरोधी देश एकजुट हो रहे हैं, सहयोगियों से दूरी बनाना खतरनाक हो सकता है।

ट्रंप की चीन यात्रा पर हुई चर्चा

वहीं चीन को लेकर भी अमेरिका की रणनीति पर चर्चा हुई। ट्रंप की संभावित बीजिंग यात्रा से पहले मैककॉनेल ने पूछा कि क्या ताइवान और दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी प्रतिबद्धताएं कायम रहेंगी। इस पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने सहयोगियों जापान, ताइवान और फिलीपींस के साथ साझेदारी और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ईरानी हमलों का सऊदी ने दिया था करारा जवाब, कई इलाकों पर किए थे हवाई हमले; रिपोर्ट में खुलासा

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब की वायुसेना ने मार्च के अंत ईरान पर कई गुप्त हमले किए। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में पश्चिम और ईरानी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी समाने आई है

यह पहली बार है जब सऊदी अरब ने सीधे ईरान पर हमला किया है। इससे पता चलता है कि रियाद अब अपनी सुरक्षा के लिए पहले से ज्यादा कड़ा रुख अपना रहा है। अधिकारियों ने बताया कि ये हमले सऊदी अरब पर हुए हमलों का बदला लेने के लिए किए गए थे। हालांकि इन हमलों में किन जगहों को निशाना बनाया गया, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने इस पर कोई साफ जवाब नहीं दिया और ईरान की तरफ से भी कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। इन हमलों से साफ है कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष काफी बढ़ गया है। तनाव को और ज्यादा बढ़ने से रोकने के लिए सऊदी अरब लगातार ईरान के संपर्क में रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब ने ईरान को इन हमलों की जानकारी दी थी। इसके बाद बड़े स्तर पर कूटनीतिक बातचीत हुई। सऊदी अरब ने चेतावनी दी थी कि अगर हमले नहीं रुके तो वह और कड़ी कार्रवाई करेगा। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव कम करने को लेकर एक अनौपचारिक समझौता हुआ। यह समझौता 7 अप्रैल को अमेरिका और ईरान के बीच हुए युद्धविराम से ठीक एक हफ्ते पहले लागू हुआ था। ईरानी अधिकारियों ने पुष्टि की कि दोनों देश दुश्मनी खत्म करने और आपसी हितों की रक्षा के लिए सहमत हुए हैं। मार्च के महीने में तनाव काफी बढ़ गया था। 19 मार्च को सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने कहा था कि जरूरत पड़ने पर उनका देश सैन्य कार्रवाई का अधिकार रखता है। इसके तीन दिन बाद सऊदी अरब ने ईरान के सैन्य अताशे और चार दूतावास कर्मचारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया था।

हार्ट के लिए पांच सुपरफूड्स: अपने हृदय को रखें मजबूत रितिका समद्दर द्वारा

आज की तेज़-रफ्तार जिंदगी में ख़राब जीवनशैली और प्रोसेस्ड फूड्स पर बढ़ती निर्भरता के कारण उच्च कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्लड प्रेशर और अन्य हृदय संबंधी समस्याएँ आम होती जा रही हैं। हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने की शुरुआत सही पोषण से होती है, और बादाम, फैटी फ़िश, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, दालें तथा फ्लू जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल करना महत्वपूर्ण अंतर ला सकता है। मैक्स हेल्थकेयर में रीजनल हेड - डायटेटिक्स, रितिका समद्दर ने कुछ ऐसे हृदय-हितैषी खाद्य पदार्थों के बारे में बताया है, जो हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और लंबे समय तक शरीर को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं।

कैलिफोर्निया बादाम: रोज़ाना की डाइट में एक मुट्ठी बादाम शामिल करना एक अच्छी शुरुआत हो सकती है, क्योंकि यह पोषक तत्वों से भरपूर और एक हेल्दी सुपरफूड है। बादाम में विटामिन श्र, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन, जिंक सहित 15 आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। हेल्दी डाइट के साथ कैलिफोर्निया बादाम का सेवन कुल और ख़राब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है तथा हृदय को नुकसान पहुँचाने वाली सूजन को भी घटा सकता है। जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन* में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, प्रतिदिन 42 ग्राम बादाम का सेवन करने से हृदय रोग के कई जोखिम कारकों में सुधार देखा गया, साथ ही HDL कोलेस्ट्रॉल में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

मछली: रोज़ाना या साप्ताहिक आहार में फैटी फ़िश को शामिल करना हृदय स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है, क्योंकि इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड और हेल्दी फैट्स प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो हृदय को स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आईडीएमसी रिपोर्ट में खुलासा: युद्ध और हिंसा ने दुनिया में मचाई तबाही, अपने ही देश में बेघर हुए 8.2 करोड़ लोग

जिनेवा, एजेंसी। दुनियाभर में संघर्ष, गृहयुद्ध, सांप्रदायिक हिंसा और जलवायु आपदाओं ने करोड़ों लोगों को अपने ही देश में बेघर कर दिया है। इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर (आईडीएमसी) व नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल (एनआरसी) की ताजा ग्लोबल रिपोर्ट ऑन इंटरनल डिस्प्लेसमेंट 2026 के अनुसार 2025 के अंत तक 104 देशों में 8 करोड़ 22 लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित जीवन जी रहे थे। यह संख्या जर्मनी की आबादी के बराबर है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस वर्षों में यह आंकड़ा दोगुने से अधिक हो गया है और पहली बार युद्ध तथा हिंसा ने प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा लोगों को विस्थापित किया। रिपोर्ट के मुताबिक 8 करोड़ 22 लाख विस्थापितों में 6 करोड़ 86 लाख लोग संघर्ष और हिंसा के कारण बेघर हुए।

रिपोर्ट के अनुसार जून 2025 में इस्त्राइल और ईरान के बीच हुए 12 दिन के संघर्ष ने आधुनिक समय की सबसे बड़ी एकल आंतरिक विस्थापन घटना पैदा की। इस्त्राइली सैन्य कार्रवाई और निकासी चेतावनियों के बाद तेहरान से करीब एक करोड़ लोगों को भागना पड़ा। इनमें 60 लाख लोग मजंदरान व 40 लाख गीलान प्रांत पहुंचे।

आईडीएमसी के अनुसार इतने कम वक्त में एक देश में इतनी बड़ी आबादी के विस्थापन का यह अब तक का सबसे बड़ा मामला है। फलस्तीन में 2025 के दौरान 27 लाख 56 हजार बार विस्थापन दर्ज किया गया। वर्ष के अंत तक करीब 20 लाख लोग अब भी विस्थापित थे। गाजा में जनवरी के युद्धविराम के बाद लाखों लोग लौटे, लेकिन बुनियादी ढांचा तबाह होने के कारण हालात सामान्य नहीं हो सके। मार्च में फिर संघर्ष शुरू हो गया और अगस्त में अकाल जैसी स्थिति पैदा हो गई। पश्चिम तट में भी 1967 के बाद सबसे बड़े पैमाने पर विस्थापन दर्ज हुआ। 36 लाख लोग बाढ़, भूकंप, तूफान और अन्य आपदाओं की वजह से विस्थापित हुए। आईडीएमसी की निदेशक ट्रेसी लुकास ने कहा कि संख्या में मामूली गिरावट के बावजूद स्थिति अब भी रिकॉर्ड स्तर के बेहद करीब है और इसे वास्तविक सुधार नहीं माना जा सकता। इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर की 2026 वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या बढ़कर 8 करोड़ हो गई है, जो जर्मनी की कुल आबादी के बराबर है। पिछले एक दशक में यह आंकड़ा दोगुना हो चुका है। रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि पहली बार युद्ध और हिंसा, प्राकृतिक आपदा से बड़ा विस्थापन का कारण बने हैं। जून 2025 इजरायल-ईरान संघर्ष के दौरान तेहरान से करोड़ लोगों का पलायन आधुनिक इतिहास सबसे बड़ी विस्थापन घटना रही। इसके अलावा सूडान और फलस्तीन में भी हालात चिंताजनक हुए हैं।

मीडिया पर भड़के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ईरान को झूठी उम्मीद देने और मदद करने का आरोप लगाया

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समय) को मीडिया पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ खबरों में ऐसा दिखाया जा रहा है कि ईरान युद्ध में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। ट्रंप ने फिर दावा किया कि ईरानी सेना पूरी तरह तबाह हो चुकी है। ईरान के नेता खत्म हो चुके हैं और देश आर्थिक संकट में है।

ट्रंप ने यह बयान ट्रुथ सोशल के जरिये दिया। उन्होंने मीडिया पर ईरान को 'झूठी उम्मीद' देने और उसकी 'मदद करने' का आरोप लगाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, जब फेक न्यूज में कहा जाता है कि ईरान सैन्य रूप से हमारे खिलाफ अच्छा कर रहा है, तो यह लगभग देशद्रोह जैसा है, क्योंकि यह पूरी तरह झूठ और बेतुकी बात है। वे दुश्मन की मदद कर रहे हैं। इससे ईरान को सिर्फ झूठी उम्मीद मिलती है। जबकि ऐसी कोई उम्मीद होनी ही नहीं चाहिए। ये अमेरिकी कायर हैं, जो अपने ही देश के खिलाफ खड़े हैं। उन्होंने दावा किया, ईरान की नौसेना के पास 159 जहाज थे और अब सभी समुद्र में डूब चुके हैं। उन्होंने कहा, ईरान के पास अब नौसेना नहीं है। उसकी वायुसेना खत्म हो चुकी है। उसकी तकनीक खत्म हो चुकी है। उसके नेता अब नहीं रहे और देश आर्थिक तबाही का सामना कर रहा है। सिर्फ हारने वाले,

एहसान न मानने वाले और मूर्ख लोग ही अमेरिका के खिलाफ बोल सकते हैं। यह पोस्ट ऐसे समय आई है, जब ट्रंप चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से अहम मुलाकात होने जा रही है।

इससे पहले चीन रवाना होने से पहले ट्रंप ने मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने फिर दावा किया कि ईरानी सेना पूरी तरह कमजोर हो चुकी है और अमेरिका यह युद्ध 'शांति से या किसी भी तरीके से' जीत जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग से ईरान के मामले में मदद की उम्मीद कर रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, नहीं, मुझे नहीं लगता कि हमें ईरान के मामले में किसी मदद की जरूरत है। हम किसी भी तरह जीतेंगे। हम इसे शांति से या किसी और तरीके से जीतेंगे। उनकी नौसेना खत्म हो चुकी है। उनकी वायुसेना खत्म हो चुकी है। उनकी युद्ध की पूरी ताकत खत्म हो चुकी है।

ईरान को लेकर एक और सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, ईरान सैन्य रूप से हार चुका है। उन्होंने कहा, या तो वे सही फैसला करेंगे या हम बाकी काम पूरा कर देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान की नाकेबंदी को '100 फीसदी प्रभावी' भी बताया।

ईरान ने अमेरिका की आलोचना की: वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने मंगलवार को अमेरिका की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन के कदमों पर भरोसे की कमी शांति कायम होने में सबसे बड़ी बाधा है। ईरानी सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के मुताबिक, अराघची ने यह बात तेहरान में नॉर्वे के उप-विदेश मंत्री के साथ बैठक के दौरान कही।

ट्रंप से टकराव के कारण छिनी मार्टी मकरी की कुर्सी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक संस्था एफडीए के कमिश्नर डॉक्टर मार्टी मकरी ने पद से इस्तीफा दे दिया है। पिछले कार्यकाल समय से प्रशासन के भीतर और बाहर से उन पर दबाव बनाया जा रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर इसकी पुष्टि की। ट्रंप ने मकरी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक कठोर परिश्रमी डॉक्टर बताया। हालांकि, कई मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि ट्रंप उन्हें बर्खास्त करने की योजना को पहले ही मंजूरी दे चुके थे। अब उनकी जगह काइल डायमांटा कार्यकारी प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे। डॉक्टर मकरी के इस्तीफे के पीछे सबसे बड़ी वजह ई-सिगरेट नीति को माना जा रहा है। पिछले सप्ताह एफडीए ने पहली बार फ्रूट-फ्लेवर्ड ई-सिगरेट को बाजार में उतारने की मंजूरी दी थी। मकरी इस फैसले के सख्त खिलाफ थे। उनका मानना था फलों के स्वाद वाले वेप्स बच्चों और युवाओं को नशे की लत में धकेल देंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इसी वैचारिक मतभेद के कारण उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। प्रशासन के अन्य अधिकारी इस मंजूरी के पक्ष में थे, जिससे टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी। मकरी का एक साल का कार्यकाल विवादों से घिरा रहा। उनके नेतृत्व में एफडीए के भीतर भारी अस्थिरता देखी गई। एजेंसी के लगभग सभी वरिष्ठ करियर अधिकारियों या तो इस्तीफा दिया या उन्हें हटा दिया गया। हेल्थ सेक्रेटरी रॉबर्ट एफ केनेडी जूनियर के हस्तक्षेप और राजनीतिक हितों के कारण वैज्ञानिक सिद्धांतों से समझौते के आरोप लगे। ड्रग सेंटर में एक साल के भीतर छह अलग-अलग निदेशक बदले गए। इससे कर्मचारियों का मनोबल गिर गया और एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। डॉक्टर मकरी को चौतरफा विरोध का सामना करना पड़ा। फार्मा कंपनियों के सीईओ उनकी नीतियों से असंतुष्ट थे।

पश्चिम एशिया संकट: ईरान ने अमेरिका को दी परमाणु हथियारों की धमकी

दुबई/वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की तरफ से शांति प्रस्ताव पर ईरानी के जवाब को खारिज किए जाने के बाद पश्चिम एशिया में फिर से युद्ध की आहट सुनाई देने लगी है। ईरान ने जहां दोबारा हमला करने पर हथियार बनाने के स्तर पर यूरेनियम के संवर्धन की चेतावनी दी है, वहीं बताया जाता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान के खिलाफ फिर से व्यापक सैन्य कार्रवाई शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।

ईरान के संसदीय प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने मंगलवार को अमेरिका को खुले तौर पर परमाणु हथियारों की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर उनके देश पर दोबारा हमला होता है तो तेहरान 90 प्रतिशत शुद्धता तक यूरेनियम का संवर्धन कर सकता है। इसे हथियार बनाने लायक माना जाता है। संसदीय राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग के प्रवक्ता रेजाई ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, एक और हमले की स्थिति में ईरान के पास उपलब्ध विकल्पों में 90 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन हो सकता है। हम संसद में इसकी समीक्षा करेंगे।

उधर, अमेरिकी सूत्रों ने सीएनएन को बताया कि ईरान के साथ समझौता नहीं हो पाने से ट्रंप प्रशासन में निराशा बढ़ने लगी है। अमेरिकी राष्ट्रपति इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ वाशिंगटन की सैन्य कार्रवाई को फिर से शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। बाधित वार्ता और परमाणु मुद्दे को सुलझाने के लिए तेहरान का रवैया ट्रंप प्रशासन की नाराजगी का प्रमुख कारण है। ट्रंप ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण और इस्लामिक गणराज्य के नेतृत्व में व्याप्त विभाजन की आशंका से भी अधीर हो रहे हैं। ईरान की प्रतिक्रिया ने कई अमेरिकी अधिकारियों को यह सवाल उठाने के लिए बाध्य किया है कि क्या तेहरान गंभीरता से बातचीत में शामिल होने के लिए तैयार है। आगे की कार्रवाई को लेकर ट्रंप प्रशासन के भीतर भी मतभेद उभर आए हैं। सीएनएन के अनुसार, पेंटागन सहित कुछ अधिकारी ईरान पर दबाव बनाने के लिए लक्षित सैन्य हमलों

के माध्यम से अधिक आक्रामक दृष्टिकोण अपनाने की वकालत कर रहे हैं, जबकि प्रशासन के अन्य अधिकारी राजनयिक प्रयासों को और समय देने पर जोर दे रहे हैं। ईरान के पास लगभग 400 किलोग्राम यूरेनियम है जिसे 60 प्रतिशत तक संवर्धित किया जा चुका है। इसे 90 प्रतिशत तक संवर्धित किया जा सकता है। यानी, इस यूरेनियम को परमाणु हथियार बनाने के स्तर तक शुद्ध किया जा सकता है।

ब्रिटेन ने ईरानी संगठनों व व्यक्तियों पर लगाए नए प्रतिबंध

ब्रिटेन ने अपनी धरती पर शत्रुतापूर्ण गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में ईरानी संगठनों और व्यक्तियों को प्रतिबंधित किया है। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि सोमवार को घोषित ये नए उपाय वैश्विक सुरक्षा के खिलाफ ईरानी कार्रवाई और विदेशों में धमकियां देने के लिए आपराधिक गिरोहों के इस्तेमाल के जवाब में उठाए गए हैं। जिन संस्थाओं को प्रतिबंध के दायरे में लाया गया उनमें बेरेलियन एक्सचेंज, जीसीएम एक्सचेंज और जिंदाश्ती नेटवर्क शामिल हैं। प्रतिबंध सूची में शामिल व्यक्तियों में मंसूर जारिंगहलम, नासिर जारिंगहलम, एफ्रेम अब्दुलकेरीम ओज्टुनक, निहात अब्दुल कादिर असान रजा हामिदिरावरी और नामिक सालिफोव शामिल हैं। इस्राइल में अमेरिका के राजदूत माइक हकाबी ने मंगलवार को कहा कि ईरान युद्ध के दौरान देश की रक्षा के लिए इस्राइल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को आयरन डोम मिसाइलरोधी बैटरियां और उन्हें संचालित करने के लिए कर्मी भेजे थे। तेल अवीव सम्मेलन में हकाबी ने कहा, मैं अब्राहम समझौते के पहले सदस्य यूएई की सराहना करना चाहूंगा। इसके लाभों को देखिए। इस्राइल ने उनकी मदद के लिए आयरन डोम बैटरियां और उन्हें संचालित करने के लिए कर्मी भेजे हैं। यूएई ने वर्ष 2020 में कूटनीतिक रूप से इस्राइल को मान्यता दी थी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध पर अब तक करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

आईपीएल पंजाब लगातार पांचवां मैच हारी:मुंबई 6 विकेट से जीती

आखिरी ओवर में 15 रन बनाए, तिलक ने नाबाद 75 रन की पारी खेली

धर्मशाला। मुंबई इंडियंस ने रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया। मुंबई को आखिरी ओवर में जीत के लिए 15 रन चाहिए थे, जिसे टीम ने हासिल कर लिया। जीत के हीरो तिलक वर्मा रहे, जिन्होंने नाबाद 75 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। दूसरी ओर पंजाब की यह लगातार पांचवीं हार रही।

गुरुवार को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 200 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 19.5 ओवर 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

तिलक-जैक्स के बीच अर्धशतकीय साझेदारी

मुंबई के लिए तिलक ने सिर्फ 33 गेंदों में नाबाद 75 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनके अलावा रायन रिकल्टन ने 48 रन और विल जैक्स ने अंत में 10 गेंदों में नाबाद 25 रन बनाकर मैच फिनिश किया। तिलक और जैक्स के बीच पांचवें विकेट के लिए नाबाद 56 रन की साझेदारी हुई। पजांब के लिए अजमतुल्लाह ओमरजई ने 2 विकेट लिए, जबकि युजवेंद्र चहल और मार्को यानसन को 1-1 सफलता मिली।

प्रभसिमरन सिंह का अर्धशतक

पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाए, जबकि अजमतुल्लाह ओमरजई ने 17 गेंदों में 38 रन की विस्फोटक पारी खेली। आखिर में जेवियर बार्टलेट ने 7 गेंदों में नाबाद 18 रन जोड़कर टीम को 200 के पार पहुंचाया। प्रभसिमरन और प्रियांश के बीच पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी हुई। वहीं, प्रभसिमरन ने दूसरे विकेट के लिए कोनोली के साथ 57 रन जोड़े।

मुंबई के लिए शार्दूल ठाकुर सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 विकेट लिए। वहीं दीपक चाहर को 2 विकेट मिले। शुरुआत में पंजाब ने तेज रन बनाए, लेकिन बीच के ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई। इसके बावजूद उमरजई और बार्टलेट की तेज पारियों ने टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हरा दिया। गुरुवार को खेले आईपीएल मुकाबले में पंजाब द्वारा दिए गए 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई ने 205 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस दौरान तिलक वर्मा ने 75 रनों की नाबाद पारी खेली।

मुंबई ने पंजाब को हराया

शार्दुल ठाकुर की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन और तिलक वर्मा की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हरा दिया। गुरुवार को धर्मशाला में खेले गए आईपीएल मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब ने प्रभसिमरन सिंह की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 200 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 19.5 ओवर में चार विकेट पर 205 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। पंजाब के लिए अजमतुल्लाह ओमरजई ने दो विकेट लिए जबकि मार्को यानसेन और युजवेंद्र चहल ने एक-एक सफलता अपने नाम की।

तिलक वर्मा का अर्धशतक

तिलक वर्मा ने 25 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। वह शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं और मुंबई का स्कोर चार विकेट पर 160 के पार पहुंच गया है।

वैभव सूर्यवंशी इंडिया-ए में चुने गए: पहली बार देश के लिए वनडे खेलेंगे

आईपीएल में अब तक 2 सेंचुरी लगा चुके

नईदिल्ली। 15 साल के ओपनर वैभव सूर्यवंशी वनडे ट्राई सीरीज के लिए इंडिया-ए में चुने गए हैं। टीम का ऐलान गुरुवार को किया गया। कप्तानी तिलक वर्मा करेंगे। वैभव पहली बार देश के लिए वनडे सीरीज खेलेंगे। इससे पहले वे एशिया कप राइजिंग स्टार्स में इंडिया की ओर से टी-20 टूर्नामेंट खेल चुके है। वैभव श्रीलंका में जून में होने वाली वनडे ट्राई-सीरीज खेलेंगे। इंडिया और श्रीलंका के अलावा इस सीरीज में अफगानिस्तान की टीम भी खेलेगी। वैभव आईपीएल में अब तक दो शतक लगा चुके हैं। उन्होंने 2025 में गुजरात के खिलाफ 36 और इस सीजन में हैदराबाद के खिलाफ 37 बॉल में सेंचुरी लगाई हैं।

वैभव ने आईपीएल में 440 रन बनाए, एक सेंचुरी भी शामिल

वैभव आईपीएल में अपना दूसरा सीजन खेल रहे हैं। 2026 सीजन में उन्होंने 11 मैचों में 237 के स्ट्राइक रेट से 440 रन बनाए हैं। उन्होंने जयपुर में हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया। इस पारी में उन्होंने 12 सिक्स और 5 चौके लगाए।

वैभव सूर्यवंशी
IPL 2026 प्रदर्शन
440 रन
मैच-11 | औसत-40.00
50/100- 2/1 | बेस्ट स्कोर-103
स्ट्राइक रेट-236.55

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लिश

टीम घोषित:क्रॉली बाहर, एमिलियो और रीव को मौका; रॉबिन्सन की वापसी

लंदन। न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले महीने लॉर्ड्स में होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड ने बुधवार को अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। नए नेशनल सिलेक्टर मार्कस नॉर्थ ने ऑस्ट्रेलिया से एशेज सीरीज हारने वाली टीम में 7 बदलाव किए हैं। सबसे चौंकाने वाला फैसला ओपनर जैक क्रॉली को बाहर करने का है।

क्रॉली की जगह डरहम के एमिलियो गे को टीम में शामिल किया गया है। एमिलियो ने इस सीजन में 92 की औसत से 552 रन बनाए हैं। वहीं, ससेक्स के तेज गेंदबाज ऑली रॉबिन्सन की 2 साल बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है। इंग्लैंड को 4 जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी करनी है।

3 नए प्लेयर्स को मौका मिला

इंग्लिश सिलेक्टर्स ने काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवाओं को मौका दिया है।

एमिलियो गेः इस समर तीन शतक जड़ने वाले गे को ओपनिंग की जिम्मेदारी मिल सकती है। जेम्स रीवः समरसेट के इस युवा बल्लेबाज को बैकअप बैटर और विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है। सनी बेकरः हैम्पशायर के इस अनकैप्ड तेज गेंदबाज ने रेड-बॉल क्रिकेट में समरसेट के खिलाफ 5 विकेट लिए हैं।

वुड-कार्स चोटिल, रॉबिन्सन की वापसी

मार्क वुड और ब्रायडन कार्स चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में ऑली रॉबिन्सन को चुना गया है। वे गस एटकिंसन और जोश टंग के साथ तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। रॉबिन्सन ने ससेक्स के लिए 6 विकेट लेकर अपनी फिटनेस और फॉर्म साबित की है। कप्तान बेन स्टोक्स भी नई गेंद से गेंदबाजी करते नजर आ सकते हैं।

रेहान-बशीर को स्पिन की जिम्मेदारी

टीम में 2 स्पिनर्स को शामिल किया गया है। इनमें रेहान अहमद और शोएब बशीर शामिल हैं। रेहान ढ्ढक्क में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं, जबकि बशीर डर्बीशायर के लिए खेल रहे हैं। लॉर्ड्स में इन दोनों में से एक को प्लेइंग-11 में मौका मिल सकता है।

नीरज चोपड़ा का रोम डायमंड लीग में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा अगले माह रोम में होने वाले डायमंड लीग भाला फेंक टूर्नामेंट में शायद ही खेल पायें। इसका कारण है कि नीरज अब तक अपनी पीठ की चोट से नहीं उबर पाये हैं। इसी कारण 4 जून को इटली में होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए शुरुआती सूची में नीरज का नाम शामिल नहीं है। नीरज अगर नहीं उतरते हैं तो ये प्रशंसकों के लिए निराशाजन होगा। नीरज पिछले साल विश्व चैंपियनशिप से ही फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे थे। इसी कारण अभी वह तुर्की में रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। अभी उनका लक्ष्य पूरी तरह से फिटनपेस हासिल करना है। वहीं भारत के ही युवा खिलाड़ी सचिन यादव इस टूर्नामेंट से डायमंड लीग में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। सचिन ने पिछले कुछ समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में नीरज के नहीं खेलने पर वह भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे। उन्होंने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन करते हुए 86.27 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था और एक टूर्नामेंट में चौथा स्थान हासिल किया था।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ विजेताओं का एलान, महिलाओं में वोल्वार्ड्ट और पुरुषों में नाहिद राणा बने विजेता

नईदिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अप्रैल 2026 के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। पुरुष वर्ग में बांग्लादेश के युवा तेज गेंदबाज नाहिद राणा, जबकि महिला वर्ग में दक्षिण अफ्रीका की कप्तान एल. वोल्वार्ड्ट को यह सम्मान मिला है।नाहिद राणा ने पहली बार जीता अवॉर्ड

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने अपने करियर में पहली बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब जीता है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में शानदार गेंदबाजी करते हुए टीम की 2-1 से सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई। राणा ने सीरीज में 4.46 की शानदार इकॉनमी रेट से कुल आठ विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए। दूसरे वनडे मुकाबले में उन्होंने 32 रन देकर पांच विकेट झटके और बांग्लादेश को 55 रन से जीत दिलाई। इस पुरस्कार की दौड़ में राणा ने ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह और यूएई के तेज गेंदबाज अजय कुमार को पीछे छोड़ा।

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी सीएसके

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम शुक्रवार को अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला करेगी। सुपर जायंट्स की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका प्रयास इस मैच में जीत के साथ ही अपने सत्र का समापन करना रहेगा। दूसरी ओर सीएसके के लिए ये मैच बेहद अहम है। उसे अपने प्लेऑफ की उम्मीदें बनाये रखने ये मैच हर हाल में जीतना होगा।

सीएसके के अभी 11 मैचों में 12 अंक लेकर 5वें स्थान पर है और उसे प्लेऑफ के लिए अपने सभी बचे हुए

मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 7 मुकाबले हुए हैं। इसमें से तीन सुपर जायंट्स ने जबकि इतने ही सीएसके ने जीते हैं।

कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की सीएसके के पास संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस जैसे बल्लेबाज हैं। सैमसन ने अब तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और सीएसक को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। टीम के पास गेंदबाजी में अंशुल कंबोज के अलावा नूर अहमद जैसे स्पिनर है। टीम को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखा जाये तो सीएसके जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

वहीं ऋषभ पंत की कप्तानी में उतर रही सुपर जायंट्स का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल तीन मैच जीतकर 6 अंक हासिल कर पायी है। टीम में निरंतरता की कमी नजर आयी है।

फीफा विश्व कप के मेगा हाफटाइम शो में नजर आयेंगी मैडोना, बीटीएस और शकीरा

उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेगी नोरा फतेही

लॉस एंजेलिस। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मेगा हाफटाइम शो में इस बार पॉप सिंगर मैडोना, पॉप स्टार शकीरा के अलावा दक्षिण कोरिया की बीटीएस भी कार्यक्रम पेश करेगी जबकि उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही कार्यक्रम पेश करेंगी। इस प्रकार ये विश्वकप दूनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव साबित होगा। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस विश्वकप में अमेरिकी

सुपर बाउल की तरह ही एक मेगा हाफटाइम शो का आयोजन भी किया जाएगा। फीफा ने हाल ही में एक टीजर वीडियो जारी कर इस मेगा इवेंट की घोषणा की है। इस वीडियो में मशहूर संगीतकार क्रिस मार्टिन और लोकप्रिय कार्टून कैरेक्टर एल्मो के साथ मपेट शो के कई किरदार भी दिखे। जिन्होंने मैडोना, बीटीएस और शकीरा जैसे ग्लोबल आइकॉन के नामों की घोषणा की। इसके बाद से ही सोशल मीडिया में प्रशंसकों में उत्साह है। इस हाफटाइम शो से होने वाली संपूर्ण कमाई फीफा ग्लोबल सिटिजन एजुकेशन फंड को दान की जाएगी। इस नेक पहल का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के जरूरतमंद बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और फुटबॉल की बेहतर सुविधाएं पहुंचाना है।

रोम में कोपा इटालिया फुटबॉल टूर्नामेंट जीतने के बाद साथियों के साथ ट्रॉफी उठाये हुए इंटर मिलान के लेटारो मार्टिनेज वह अन्य खिलाड़ी।

कोलकाता की प्लेऑफ राह मुश्किल हुई, पंजाब के लिए आज जीत जरूरी

आईपीएल का गणित- बेंगलुरु पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 पर पहुंचा

मुंबई। आईपीएल 2026 के लीग स्टेज में अब 13 मैच बाकी हैं। मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स प्लेऑफ से बाहर हो चुकी हैं, जबकि बाकी 8 टीमें टॉप-4 की रेस में बनी हुई हैं।

कोलकाता को हराकर बेंगलुरु पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच गई हैं। गुजरात और बेंगलुरु दोनों के 16-16 पॉइंट्स हैं, लेकिन बेहतर रनरेट की वजह से बेंगलुरु पहले स्थान पर है। बुधवार की हार के बाद कोलकाता की राह मुश्किल हो गई है। टीम को अब बचे सभी मैच जीतने होंगे।

बेंगलुरु-गुजरात का प्लेऑफ लगभग पक्का

बेंगलुरु और गुजरात को प्लेऑफ पक्का करने के लिए बचे 2 में से एक-एक मैच जीतना होगा। दोनों टीमों के 16-16 पॉइंट्स हैं। बेंगलुरु का नेट रनरेट (+1.053) लीग में सबसे बेहतर है। बेंगलुरु का मुकाबला पंजाब और हैदराबाद से है, जबकि गुजरात को कोलकाता और चेन्नई से खेलना है।

कोलकाता 8वें पायदान पर

कोलकाता नाइट राइडर्स की स्थिति कठिन हो गई है। टीम को 4 मैच बाद हार मिली। टीम के 11 मैचों में 9 पॉइंट्स हैं और 3 मैच बाकी हैं। कोलकाता को प्लेऑफ की उम्मीद बनाए रखने के लिए सभी मुकाबले जीतने होंगे। टीम का अगला मैच गुजरात, मुंबई और दिल्ली से है।

पंजाब को मुंबई को हराना ही होगा

पंजाब किंग्स लगातार 4 मैच हारकर चौथे स्थान पर खिसक गई है। टीम के 13 पॉइंट्स हैं और हर मैच अहम हो गया है। पंजाब का मुकाबला आज मुंबई से होगा, जहां उसे जीत चाहिए। इसके बाद टीम बेंगलुरु और लखनऊ से खेलेगी। अगर टीम 2 मैच जीतती है तो प्लेऑफ में पहुंचना पक्का हो जाएगा।

हैदराबाद के 2 मैच बाकी

सनराइजर्स हैदराबाद के 14 पॉइंट्स हैं। गुजरात ने पिछले मैच में टीम को 82 रन से हराकर मुश्किल में डाल दिया। उसका नेट रनरेट +0.331 है। हैदराबाद को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अब चेन्नई और बेंगलुरु को हराना होगा।

चेन्नई पांचवें स्थान पर कायम

चेन्नई सुपर किंग्स ने खराब शुरुआत के बाद वापसी की है। टीम लगातार 3 मैच जीत चुकी है और 12 पॉइंट्स के साथ पांचवें स्थान पर है। ह्रस्व को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए तीनों मैच जीतने होंगे। उसके मुकाबले लखनऊ, हैदराबाद और गुजरात से हैं।

राजस्थान भी रेस में, दिल्ली की उम्मीदें कमजोर

राजस्थान रॉयल्स 12 पॉइंट्स के साथ रेस में बनी हुई है, लेकिन टीम ने पिछले 7 में से 5 मैच गंवाए हैं। राजस्थान को दिल्ली, लखनऊ और मुंबई से खेलना है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की उम्मीदें कमजोर हैं। टीम के 12 मैचों में 10 पॉइंट्स हैं और नेट रनरेट (-0.993) सबसे खराब है। दिल्ली को अपने दोनों मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। साथ ही दूसरी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा।

कोहली ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे नंबर पर पहुंचे

विराट कोहली आईपीएल2026 में ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। कोलकाता के खिलाफ शतक लगाने के बाद उनके 12 मैचों में 484 रन हो गए। सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासन 508 रन के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं, जबकि गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन 501 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

भुवनेश्वर 22 विकेट के साथ पर्पल कैप होल्डर

बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हुए हैं। उनके 12 मैचों में 22 विकेट हो गए। गुजरात के कगिसो रबाडा 21 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चेन्नई के अंशुल कम्बोज 19 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

IPL 2026

पॉइंट्स टेबल

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	NR	अंक	NRR
1	RCB	12	8	4	0	16	1.053
2	GT	12	8	4	0	16	0.551
3	SRH	12	7	5	0	14	0.331
4	PBKS	11	6	4	1	13	0.428
5	CSK	11	6	5	0	12	0.185
6	RR	11	6	5	0	12	0.082
7	DC	12	5	7	0	10	-0.993
8	KKR	11	4	6	1	9	-0.198
9	MI	11	3	8	0	6	-0.585
10	LSG	11	3	8	0	6	-0.907

देशहित की बात, खुद से शुरुआत: कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने पायलट एवं फॉलो गाड़ियों का उपयोग अभी बंद करने का लिया निर्णय

कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने पायलट एवं फॉलो गाड़ियों का उपयोग किया बंद

देशहित की सोच के साथ मंत्री गुरु खुशवंत साहेब का बड़ा निर्णय, पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत को बढ़ावा देने की दिशा में मंत्री गुरु साहेब की पहल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान से प्रेरित होकर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब का अनुकरणीय फैसला, सादगी, संवेदनशीलता और राष्ट्रहित का संदेश दे रहा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब का निर्णय

गरायपुर/मूक पत्रिका

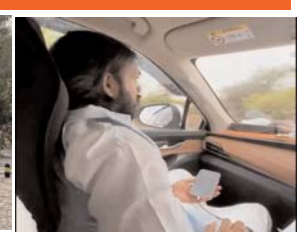

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के पर्यावरण संरक्षण,ऊर्जा बचत एवं संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग को लेकर किए गए प्रेरणादायी आह्वान से प्रेरित होकर छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्रद्धेय गुरु खुशवंत साहेब जी ने एक महत्वपूर्ण, अनुकरणीय एवं जनहितकारी निर्णय लिया है। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने अपने शासकीय भ्रमण एवं आवागमन के दौरान पायलट तथा फॉलो गाड़ियों का उपयोग तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्णय लिया है। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी का मानना है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संदेश केवल एक अपील नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में जनभागीदारी का एक व्यापक अभियान है। यह आह्वान पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की भावना को और अधिक सशक्त करता है। उनका स्पष्ट मानना है कि जब जनप्रतिनिधि स्वयं से सकारात्मक शुरुआत करते हैं, तब समाज में परिवर्तन की नई दिशा निर्मित होती है।मंत्री गुरु साहेब जी ने यह भी कहा है कि आज देश को केवल विकास नहीं, बल्कि जिम्मेदार, संवेदनशील एवं सतत विकास की आवश्यकता है। ईंधन की बचत, प्रदूषण में कमी तथा शासकीय संसाधनों के संतुलित उपयोग की दिशा में यह एक छोटा किंतु अत्यंत सार्थक प्रयास है। इससे आमजन में भी जागरूकता बढ़ेगी तथा ÷देशहित पहले÷ की भावना और अधिक मजबूत होगी।मंत्री गुरु साहेब जी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण एवं जनसहभागिता के नए आयाम स्थापित कर रहा है। ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व बनता है कि वह अपने स्तर पर राष्ट्रहित में योगदान दे। शासन एवं प्रशासन से जुड़े लोगों को स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचे और जनमानस प्रेरित हो। प्रदेशवासियों से अपील करते हुए मंत्री गुरु साहेब जी ने कहा है कि सभी नागरिक प्रधानमंत्री जी के इस प्रेरणादायी आह्वान का अनुसरण करने का संकल्प लें।

छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े परिवर्तनों की नींव बनते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति ऊर्जा बचत, ईंधन संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक होकर कार्य करेगा, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं समृद्ध भारत का निर्माण संभव हो सकेगा।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई

रेत से भरे वाहन को किया गया जप्त, खनिज अधिनियम के तहत होगी अर्थदण्ड की वसूली

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) द्वारा बीते दिवस बेमेतरा क्षेत्र में निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर एक वाहन को जप्त किया गया। खनिज विभाग की टीम द्वारा की गई जांच में वाहन चालक आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया, जिसके फलस्वरूप नियमानुसार वाहन को जप्त कर थाना बेमेतरा की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है। साथ ही संबंधित वाहन के विरुद्ध अवैध खनिज परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया है।प्रकरण में खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23-ख के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहन पर 30 हजार 500 रुपये की अर्थदण्ड राशि निर्धारित की गई है, जिसकी वसूली नियमानुसार की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज परिवहन एवं उत्खनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राजस्व एवं खनिज की हानि रोकने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है।कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले में अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुए नियमित जांच अभियान चलाए जाएं तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि अवैध खनिज उत्खनन अथवा परिवहन की जानकारी मिलने पर तत्काल प्रशासन को सूचित करें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

पद्म पुरस्कार 2027 हेतु नामांकन आमंत्रित, उत्कृष्ट एवं विशिष्ट सेवाओं के लिए देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कार 2027 हेतु नामांकन एवं सिफारिशें आमंत्रित की गई हैं। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर घोषित किए जाते हैं। पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों– पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म श्री –में प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण एवं विशिष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना है। पद्म पुरस्कार किसी भी जाति, पेशा, पद अथवा लिंग के भेदभाव के बिना पात्र व्यक्तियों को प्रदान किए जाते हैं। हालांकि, सेवारत सरकारी कर्मचारी (पीएसयू कर्मियों सहित), डॉक्टरों एवं वैज्ञानिकों को छोड़कर, इस सम्मान हेतु पात्र नहीं होंगे। पुरस्कार चयन में जनसेवा एवं समाजहित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को विशेष महत्व दिया जाता है।इन पुरस्कारों के अंतर्गत कला, समाज सेवा, सार्वजनिक जीवन, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, व्यापार एवं उद्योग, चिकित्सा, साहित्य एवं शिक्षा, सिविल सेवा, खेलकूद सहित अन्य विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है। इसके अतिरिक्त योग, कृषि, वन्यजीव संरक्षण, पाक कला, जमीनी स्तर के नवाचार, वास्तुकला एवं आध्यात्मिकता जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्ति भी पात्र हैं।पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह आम जनता के लिए खुली है तथा कोई भी व्यक्ति स्वयं का नामांकन भी कर सकता है। वर्ष 2027 के लिए नामांकन एवं सिफारिशें 15 मार्च 2026 से 31 जुलाई 2026 तक आमंत्रित की जाएंगी। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत प्राप्त सभी नामांकन पद्म पुरस्कार समिति के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे, जिसका गठन प्रतिवर्ष प्रधानमंत्री द्वारा किया जाता है। समिति की अनुशंसा के बाद प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति की स्वीकृति उपरांत पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की जाती है।पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित सनद (प्रमाण पत्र), पदक एवं पदक की लघु प्रतिकृति प्रदान की जाती है। यह सम्मान किसी भी प्रकार की उपाधि नहीं माना जाता तथा इसके साथ कोई आर्थिक अनुदान नहीं दिया जाता।

आवेदन हेतु आवश्यक जानकारी–पद्म पुरस्कार हेतु आवेदन/नामांकन के लिए निम्न जानकारी आवश्यक होगी–संबंधित व्यक्ति के कार्यों का संक्षिप्त विवरण (अधिकतम 800 शब्द)प्रमुख योगदान का विवरण (अधिकतम 500 शब्द)कार्यों का प्रभाव एवं परिणाम (अधिकतम 400 शब्द)4 पंक्तियों में यह उल्लेख कि व्यक्ति पद्म पुरस्कार का पात्र क्यों है (अधिकतम 60 शब्द)अन्य प्रासंगिक जानकारी (अधिकतम 300 शब्द)नामांकित व्यक्ति के फोटोग्राफ, जन्मतिथि, संबंधित दस्तावेज 7 अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन नामांकन हेतु भारत सरकार के पद्म पुरस्कार पोर्टल पर विजिट किया जा सकता है – Padma Awards Portal तकनीकी सहायता हेतु संपर्क नामांकन प्रक्रिया से संबंधित तकनीकी सहायता के लिए एनआईसी बेमेतरा में संपर्क किया जा सकता है, रोहित कुमार चंद्रवंशी डीआईओ, एनआईसी बेमेतरा मो.: 7746072781 7।

उद्योग भूमि में डायवर्जन शुल्क छूट ऑनलाइन न मिलने पर स्वाधीन जैन ने चैम्बर अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

दल्लीराजहरा/बालोद/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, रायपुर के बालोद जिला मंत्री स्वाधीन जैन ने प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी जी को ज्ञापन सौंपा। स्वाधीन जैन ने बताया गया कि छत्तीसगढ़ शासन की ÷औद्योगिक विकास नीति 2024-30÷ के अंतर्गत स्र्स्स्ध एवं विनिर्माण इकाइयों को औद्योगिक प्रयोजन हेतु भूमि डायवर्जन शुल्क में लगभग 50त्र तक छूट का प्रावधान किया गया है। परंतु वर्तमान में ऑनलाइन भूमि डायवर्जन पोर्टल में उक्त छूट का विकल्प उपलब्ध नहीं हो रहा है। इस तकनीकी खामी के कारण नए उद्योग स्थापित करने वाले स्र्स्स्ध उद्यमियों को शासन द्वारा घोषित छूट का लाभ ऑनलाइन प्रक्रिया में प्राप्त नहीं हो पा रहा है तथा उन्हें पूर्ण शुल्क भुगतान की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इससे नए एवं लघु उद्योग स्थापित करने वाले उद्यमियों को शुरुआत में ही आर्थिक व प्रक्रियात्मक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बालोद जिला मंत्री स्वाधीन जैन ने कहा कि शासन की मंशा उद्योगों को प्रोत्साहन देने की है, परंतु ऑनलाइन प्रणाली में आवश्यक प्रावधान उपलब्ध नहीं होने से नीति का वास्तविक लाभ जमीनी स्तर पर प्राप्त नहीं हो पा रहा है। उन्होंने चैम्बर अध्यक्ष से आग्रह किया कि संबंधित विभाग एवं शासन स्तर पर आवश्यक तकनीकी अपडेट करवाने हेतु उचित पहल करें, जिससे पात्र औद्योगिक इकाइयों को शासन द्वारा निर्धारित भूमि डायवर्जन शुल्क छूट का लाभ ऑनलाइन प्रक्रिया में भी सुगमता से प्राप्त हो सके। इस अवसर पर ज्ञापन सौंपते समय चैम्बर के पदाधिकारी श्री राजेश वाशवानी कार्यकारी अध्यक्ष, श्री जसप्रीत सलूजा कार्यकारी अध्यक्ष, युवा नेता श्री जयदीप गुप्ता, श्री दिलीप इशारानी, श्री जीतू शादीजा प्रमुख रूप से उपस्थित थे। चैम्बर अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए कहा कि इस विषय पर माननीय मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी जी से मिलकर चर्चा की जाएगी और समस्या का शीघ्र निदान कराया जाएगा।

कलेक्टर पदमिनी भोई साहू ने पेट्रोल पंप संचालकों के साथ की बैठक

कलेक्टर ने निर्बाध रूप से पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति और वितरण करने के दिए निर्देश, आम उपभोक्ता, किसान, ट्रांसपोर्टर को तय सीमा में पेट्रोल-डीजल देने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर पदमिनी भोई साहू ने पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति के संबंध में जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों के साथ की बैठक ली। उन्होंने अतिआवश्यक सेवाओं वाले सभी प्रकार के एम्बुलेंस, हॉस्पिटल डीजी सेट, फायर ब्रिगेड और शासकीय वाहन को पेट्रोल-डीजल देने के निर्देश दिए। साथ ही जिले के सभी अधिकारियों कर्मचारियों को शासकीय वाहन का मितव्ययिता के साथ उपयोग करने के निर्देश दिए। साथ ही किसान, आम उपभोक्ता, ट्रांसपोर्टर आदि के वाहनों के लिए तय सीमा में पेट्रोल-डीजल देने कलेक्टर ने पंप मालिकों को निर्देश दिए। जिला प्रशासन द्वारा सभी डीजल पम्प में आवश्यक निगरानी हेतु दैनिक विक्रय रिकॉर्ड एवं अन्य गतिविधि की जानकारी हेतु समस्त ओएमसी कंपनी/खाद्य विभाग को पम्पों द्वारा तत्काल सीसीटीवी का एक्सेस उपलब्ध कराया जाएगा। रिफ्यूलर टैंकर से आपूर्ति पूर्णता बंद रखेंगे। यह निर्देश पेट्रोल पम्प को दिए गए, ताकि पेट्रोल/डीजल की उपलब्धता बनी रहे। कलेक्टर ने पंप संचालकों को कहा कि अफवाहों पर ध्यान नहीं देते हुए रोजाना खपत के अनुसार पेट्रोल-डीजल का वितरण करें। पुराने चिन्हित सभी ग्राहकों के तय सीमा से अधिक का पेट्रोल-डीजल खरीदी की मांग करने पर उन्हें जिला प्रशासन द्वारा तय सीमा में ही पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराएं। साथ ही अवैध भंडारण और कालाबाजारी नहीं करने के लिए आम उपभोक्ताओं को समझाए।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) बना वरदान, बालक को मिला नवजीवन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वास्थ्य विभाग नवागढ़ जिला बेमेतरा द्वारा सीएमएचओ डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन में नवागढ़ बीएमओ डॉ. राहुल राज एवं बीपीएम सी के देवांगन के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ के तहत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है, चिरायु कार्यक्रम के तहत शून्य से 18 वर्ष तक के बच्चो का निशुल्क स्क्रीनिंग एवम उपचार किया जाता है एवं आवश्यक्ता अनुसार उच्च संस्थाओं में भेजकर सर्जरी की निशुल्क व्यवस्था कराया जाता है। आंगनबाड़ी केंद्र ग्राम कवराकांपा भ्रमण के दौरान चिरायु दल द्वारा वरुण जांगड़े पिता प्रमोद कुमार जन्मतिथि 15 .05.21 ग्राम कवराकापा को चिन्हाकित किया गया जो जटिल जन्मजात रोग हृदय रोग एवं एनोरेक्टल मालफार्मेशन दो बीमारी से ग्रसित पाया गया। जिमसें चिरायु टीम ए प्रभारी डॉ दीप्ति पटेल एवम डॉ ए के मधुकर के द्वारा डीकेएस अस्पताल रायपुर में 4 से 5 बार ले जाकर 4 से 5 स्टेप में निशुल्क कोलोस्टोमी सर्जरी कराया गया । जटिल हृदय रोग का इलाज छत्तीसगढ़ में संभव न होने के कारण उच्च स्वास्थ्य संस्था केयर हॉस्पिटल हैदराबाद रेफर किया गया जहा 02 स्टेप में मार्च 2023 एवम मई 2026 में कॉप्लेक्स अपर हार्ट सर्जरी कराया गया। वर्तमान में वरुण जांगड़े पूरी तरह से स्वस्थ है। वरुण जांगड़े के पिता प्रमोद कुमार शासन की इस चिरायु योजना के माध्यम से अपने बेटे का निशुल्क सर्जरी से बहुत खुश है उनका कहना है कि यह योजना हमारे लिए वरदान साबित हुआ। खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ राहुल राज, पूर्व खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ एम एम रजा के निर्देश अनुसार चिरायु टीम के डॉ दीप्ति पटेल, डॉ ए के मधुकर, टन्कोर सप्रे, तारेश्वरी का विशेष योगदान रहा जो निरन्तर अभिभावक के संपर्क में रहकर उनका निःशुल्क एवम सफल इलाज पूर्ण कराया। टीम के द्वारा राज्य नोडल एजेंसी से वरुण के ऑपरेशन हेतु सात लाख का सहयोग कराकर निःशुल्क सफल ऑपरेशन कराया गया।

दिव्यांग अमन प्रेमी को गांव के ही सुशासन शिविर में मिला व्हीलचेयर, दिव्यांग सहित परिजन खुश

नागरिकों को दिया गया योजनाओं का लाभ

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बिलाईगढ़ विकासखंड के भटगांव तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत गदहाभाठा में सुशासन तिहार शिविर का आयोजन किया गया। अतिथि पूर्व विधायक सनम जांगड़े, जिला पंचायत सदस्य दिनेश जांगड़े,सत्ताधारी दल के सदस्य सुभाष जालान सहित अन्य जनप्रतिनिधि द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा- अर्चना कर शिविर का शुभारम्भ किया गया। शिविर में 19 गांवों के ग्रामीण शामिल हुए। विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ी व्यंजन एवं पोषण आहार से संबंधित जागरूकता स्टॉल लगाया गया। विभाग द्वारा 2 गोदभराई एवं 2 अन्नप्राशन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। स्वास्थ्य विभाग के जांच शिविर में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जहां 150 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही 4 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड तथा 3 हितग्राहियों को निश्चय मित्र पोषण आहार किट वितरित की गई। शिविर में मछली पालन विभाग द्वारा एक जाल वितरण किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 5 हितग्राहियों को आवास प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। श्रम विभाग द्वारा 5 श्रमिक कार्ड बनाए गए। शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को गणवेश एवं प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। सहकारिता विभाग ने 4 किसानों को ब्याजरहित ऋ्रण हेतु केसीसी चेक वितरित किए।कृषि विभाग द्वारा किसानों को निंदानाशक दवा तथा बीज निगम विभाग द्वारा दो किसानों को स्वर्ण धान बीज वितरित किया गया। राजस्व विभाग ने दो किसानों को किसान किताब प्रदान की। उज्ज्वला योजना के तहत दो हितग्राहियों को गैस सिलेंडर वितरित किए गए। शिविर में कुल 1225 आवेदन प्राप्त हुए। समाज कल्याण विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत ग्रामीणों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इसी दौरान ग्राम गदहाभाठा निवासी दिव्यांग (80 प्रतिशत) अमन प्रेमी ने व्हीलचेयर के लिए आवेदन किया था। विभाग द्वारा त्वरित निराकरण करते हुए उन्हें मौके पर ही व्हीलचेयर प्रदान की गई। व्हीलचेयर मिलने के बाद अमन प्रेमी के चेहरे पर खुशी साफ देखने को मिली। अब उन्हें चलने-फिरने में काफी सहूलियत मिलेगी।

नकली नोटों की छपाई का भंडाफोड़: कांकेर पुलिस ने पकड़ा 6 लाख 50 हजार का जखीरा, प्रिंटिंग मशीनें भी जब्त

500 रुपये के कुल 1308 नकली नोट

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-कांकेर उत्तर बस्तर कांकेर पुलिस ने जाली नोट खपाने की फिराक में घूम रहे एक शातिर आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के पास से ?500 के कुल 1308 नकली नोट बरामद किए हैं, जिनका कुल अंकित मूल्य 6,54,000 रुपये है। साथ ही नकली नोट छापने के उपकरण और मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।

मुखबिर की सूचना पर बिछाया जाल– पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखिचा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति शहर में भारी मात्रा में नकली नोट लेकर उन्हें असली के रूप में चलाने और बेचने की कोशिश कर रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार साहू और दिनेश कुमार सिन्हा (साइबर) के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। एसडीओपी कांकेर मोहसिन खान के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी प्रतीक दादासाहब बंसोडे के नेतृत्व वाली टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को धर दबोचा।

जब्त सामग्री का विवरण–तलाशी के दौरान आरोपी युगल नाग (29 वर्ष), निवासी कोदाभाट, कांकेर के पास से भारी मात्रा में जाली नोट और छपाई की सामग्री मिली: तैयार नोटः ?500 के 1100 नग जाली नोट (कीमत ?5,50,000)।अर्द्ध-निर्मित नोटः-4 साइज के 42 पेपरों पर छपे ?500 के नोट (प्रति पेपर 4 नोट, कुल ?1,04,000)

अन्य सामग्रीः सिक्योरिटी थ्रेड प्रिंट किए हुए 81 पेज (-4 साइज) और 4 मोबाइल फोन।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला– पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना कांकेर में अपराध क्रमांक 159/26 दर्ज किया है। आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता (ब्हृस्) की धारा 178, 179 और 180 के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस गिरोह के तार और कहां-कहां जुड़े हैं।

पुलिस टीम की सराहना–इस बड़ी कामयाबी में निरीक्षक यशवंत श्याम (सायकल सेल), निरीक्षक जितेन्द्र साहू, उप निरीक्षक सुरेन्द्र मानिकपरी, प्रधान आरक्षक रूपेन्द्र पटेल, साउनि भाकेश पटेल, प्रधान आरक्षक सचिन शोरी एवं थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।